दैनिक मध्य स्वर्णिम

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, सोमवार 27 जुलाई 2026 | सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर... | वर्ष - 02 | अंक-09 | पृष्ठ-08 | मूल्य-₹01 | www.madhyaswarnim.com

वैभव सूर्यवंशी का दूसरा इंटरनेशनल अर्धशतक

पेपर लीक के खिलाफ आज लोकसभा में पेश होगा नया बिल, दो धाराएं जोड़ीं

दो महीने में पूरी करनी होगी जांच, 10 साल जेल और 50 लाख जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली

केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं।

इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के अंदर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोज सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के तीन महीने के अंदर ट्रायल पूरा करना जरुरी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के अंदर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

जहाजों पर नौकरी से पहले बरतें विशेष सावधानी

ब्लैक सी में बढ़ते हमलों के बीच भारत ने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (मध्य स्वर्णिम)।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच ब्लैक सी क्षेत्र में बढ़ते मिसाइल और ड्रोन हमलों को देखते हुए भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने विशेष रूप से उन भारतीयों से सतर्क रहने की अपील की है, जो ब्लैक सी क्षेत्र में संचालित व्यावसायिक जहाजों पर नौकरी करने की योजना बना रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि इस क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति अत्यंत संवेदनशील बनी हुई है और रोजगार स्वीकार करने से पहले सभी संभावित जोखिमों का गंभीरता से आकलन किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2026 से ब्लैक सी और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में व्यावसायिक जहाजों पर मिसाइल एवं ड्रोन हमलों की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन हमलों में अब तक पांच भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिससे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी जहाज पर नियुक्ति स्वीकार करने से पहले नियोक्ता, भर्ती एजेंसी और जहाज संचालक से पूरी जानकारी प्राप्त करें। विशेष रूप से जहाज के यात्रा मार्ग, निर्धारित बंदरगाहों, सुरक्षा व्यवस्था, बीमा कवरेज, आपातकालीन निकासी की योजना, चिकित्सा सुविधाओं और दुर्घटना की स्थिति में मुआवजा नीति की जानकारी अवश्य लें।

कार्मचारी लगातार संपर्क बनाए रखें

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा है कि जहाज पर कार्यरत भारतीय अपने परिवार के सदस्यों को यात्रा और जहाज की गतिविधियों की नियमित जानकारी देते रहें तथा उनसे लगातार संपर्क बनाए रखें। साथ ही जहाज संचालकों और भारत के समुद्री प्रशासन द्वारा जारी सभी सुरक्षा निर्देशों का पूरी तरह पालन करने की सलाह भी दी गई है। यह एडवाइजरी हाल ही में ब्लैक सी में हुए दो बड़े हमलों के बाद जारी की गई है।

नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी पक्षों की जिम्मेदारी

18 जुलाई को एमवी ओमोरफी नामक व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें एक भारतीय की मौत हो गई जबकि दो अन्य सुरक्षित बच गए। इससे पहले एमवी गोल्डन लेपर्ड पर हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की जान चली गई थी। इन घटनाओं ने संघर्षग्रस्त समुद्री क्षेत्र में कार्यरत भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। भारत सरकार ने व्यावसायिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि निर्दोष नागरिक नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी पक्षों की जिम्मेदारी है। विदेश मंत्रालय ने संबंधित पक्षों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का पालन करने, समुद्री मार्गों की सुरक्षा बनाए रखने और वैश्विक व्यापार के निर्बाध संचालन के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

@ खबर संक्षेप

मीराबाई चानू ने दिलाया भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स का पहला गोल्ड

नई दिल्ली। मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48kg वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में 190 चद्द (85 kg स्नैच+ 105 kg क्लीन एंड जर्क) उठाते हुए मेडल अपने नाम किया। भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 kg वर्ग में सिल्वर और शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारत अब मेडल टैली सातवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है। यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 में 55kg वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ग्लासगो में वह पहली बार 60kg वर्ग में उतरे। तब उन्हें मेडल नहीं मिला था। वे मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं।

बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जालंधर से इस आतंकी को पकड़ा है, जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल विदेशों में बैठे अपने हैंडलर्स के इशारों पर काम कर रहा था। आरोपी के पास से 1.3 किलोग्राम हाई एक्सप्लोसिव से भरा एक आईईडी मिला है। आतंकी की अभी पहचान उजागर नहीं की गई है। पंजाब के डीजीपी के मुताबिक इस आईईडी में लोहे के छर्रे और बॉल बेयरिंग भी पैक किए गए थे। विस्फोटक की बनावट और मात्रा से यह साफ जाहिर होता है कि आतंकी पंजाब में हमले की साजिश रच रहे थे। समय रहते की गई कार्रवाई से राज्य की शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई है और दर्जनों निर्दोष लोगों की जानें बच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जालंधर देहात के थाना पतारा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और असलहा कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ओवैसी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को बताया न्याय की जीत

मुरादाबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को न्याय और संविधान की जीत बताया है। उन्होंने शनिवार को मुरादाबाद में एक जनसभा से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह उन तमाम युवाओं के संघर्ष की बड़ी कामयाबी है, जो न्याय के लिए आवाज उठा रहे थे। ओवैसी ने इसे हक की झूठ पर विजय करार दिया, यह कहते हुए कि यह नौजवानों की कुर्बानी और मेहनत की जीत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को साफ संदेश दिया कि अब तानाशाही नहीं चलेगी और लोकतंत्र चलाने के लिए संविधान के दायरे में रहना होगा। मुरादाबाद की जामा मस्जिद पार्क में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दोहराया कि देश संविधान से चलेगा। बारिश के कारण बिजली गुल होने और प्रशासन द्वारा लाइट की अनुमति न मिलने के बावजूद, बड़ी संख्या में लोग मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर अंधेरे में डटे रहे।

नेपाल में 25 हजार तक के भारतीय नोट ले जाने की मिली मंजूरी

काठमांडू। नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को 9 नवंबर 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट, अधिकतम 25,000 रुपये तक नेपाल लाने और ले जाने की अनुमति दे दी है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने नई अधिसूचना जारी कर नियमों को स्पष्ट किया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, 8 नवंबर 2016 से पहले जारी 500 और 1,000 रुपये के पुराने भारतीय नोटों पर प्रतिबंध पहले की तरह जारी रहेगा। वहीं, नेपाली नागरिक भारतीय मुद्रा केवल भारत से ही नेपाल ला सकेंगे और नेपाल से किसी तीसरे देश में नहीं ले जा सकेंगे। NRB के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने कहा कि नए नियम से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों और भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की उपलब्धियां गिनाईं, आईएनएस महेंद्रगिरि, पिनाका-कुशा मिसाइल का किया उल्लेख

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने कारगिल के वीरों को किया नमन

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने देश की रक्षा क्षमताओं में हो रही प्रगति, आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक की बढ़ती भूमिका का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कारगिल की दुर्गम चोटियों, प्रतिकूल मौसम और दुश्मन की चुनौती के बावजूद भारतीय जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की रक्षा की।

उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय को गर्व से भर देता है और यह दिन देश के उन वीर सैनिकों के बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कारगिल के वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष 'शौर्य यात्रा' का भी आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जल संरक्षण अभियान 'कैच द रेन' की भी सराहना की।

फिजिक्स ऑलंपियाड का किया जिक्र

पीएम मोदी ने फिजिक्स ऑलंपियाड का जिक्र करते हुए कहा कि फिजिक्स ऑलंपियाड में हमारे सभी पांच छात्रों ने गोल्ड मेडल जीता और भारत ने पहली रैंक हासिल की। पिछले एक दशक में आयोजित हर फिजिक्स ऑलंपियाड में हमारे देश के छात्रों ने गोल्ड या सिल्वर मेडल जरूर जीते हैं। उन्होंने कहा कि केमिस्ट्री ऑलंपियाड में भी हमारे सभी छात्रों ने गोल्ड मेडल जीते। यह अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस रही है। पीएम मोदी ने कहा बायोलॉजी ऑलंपियाड में भी हमारे सभी छात्रों ने मेडल जीते, इनमें एक गोल्ड मेडल भी शामिल है।

पीवी सिंधु का किया जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कहा, हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में स्पोर्ट्स में कई शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा, पीवी सिंधु बैडमिंटन में जापान ऑपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि पर संपूर्ण देश को गर्व है। उन्होंने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी लंदन में लॉर्ड्स स्टेडियम में अपना पहला टेस्ट मैच जीता है, जो कि एक ऐतिहासिक जीत है।

पीएम ने सीधी में बने 1500 तालाबों-नरसिंहपुर के अमृत सरोवरों का मन की बात में किया उल्लेख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में कैच द रेन अभियान पर चर्चा के दौरान प्रदेश के सीधी और नरसिंहपुर में जलसंरक्षण के लिए हुए कार्यो का उल्लेख किया तथा राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश के सीधी जिले में लगभग 1500 तालाब बनाए गए है, नरसिंहपुर में अमृत सरोवरों को संवारा गया है। उन्होंने कहा कि बारिश कि हर बूंद को सहेजने के अभियान को जन आंदोलन बनाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपने आस-पास तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लेने और पानी की हर बूंद बचाने के अभियान में साथ आने का आव्हान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बचाई गई हर बूंद, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवाड़ी जिले की पर्यटन और धार्मिक नगरी ओरछा में कंचना घाट पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री और निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायन सिंह कुशवाह तथा जनप्रतिनिधि और स्थानीयजन उपस्थित थे।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार

▸▸ बोले- प्रधानमंत्री के विश्वास पर खरा उतरने का करूंगा पूरा प्रयास

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उन्हें शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। जोशी अपने वर्तमान उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के साथ-साथ अब शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। शनिवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी अधिसूचना के बाद रविवार को प्रह्लाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय पहुंचकर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वह पूरी विनम्रता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नई जिम्मेदारी निभाएंगे तथा शिक्षा क्षेत्र में सरकार की प्राथमिकताओं और देश की अपेक्षाओं को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पिछले वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन सहित शिक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा।

प्रह्लाद जोशी कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट से लगातार पांच बार सांसद चुने जा चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे हैं तथा संगठन और सरकार दोनों में लंबा अनुभव रखते हैं। इससे पहले वे संसदीय कार्य, कोयला एवं खान जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

राहुल गांधी ने छात्रों पर लाठीचार्ज और बल प्रयोग को लेकर गृह मंत्री शाह को लिख पत्र

नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन के दौरान कथित लाठीचार्ज और बल प्रयोग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए पूछा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र केवल निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा, कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का मूल अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उनकी शिकायतों का संवाद के माध्यम से समाधान करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान छात्रों पर अंधाधुंध लाठीचार्ज किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए। साथ ही उन्होंने दावा किया कि महिला प्रदर्शनकारियों के साथ भी दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आईं। पत्र में राहुल गांधी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों का हवाला देते हुए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पेलेट गन के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए।

होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह टैंकर तेहरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से अलग रास्ते से जा रहा था, जिसके बाद वह बारूदी सुरंग से टकरा गया। ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए मार्ग से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। फिलहाल इस घटना पर ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नुकसान या हताहतों को लेकर भी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

चढ़ावा चोरी विवाद: सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली।

अयोध्या के राम मंदिर में ट्रस्ट को मिले दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को फिर सुनवाई करेगा। मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच दल (एसआईटी) के पुनर्गठन पर अपना रुख स्पष्ट करने की भी संभावना है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की गई कार्यसूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

एसआईटी के पुनर्गठन पर यूपी सरकार साफ करेगी रुख

इन याचिकाओं में अधिवक्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी की रिट याचिका, स्वयं पक्षकार के रूप में अजय कुमार राय की आपराधिक रिट याचिका, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सांसद सुधाकर सिंह की याचिका और हिंदू धर्म परिषद की ओर से दायर याचिका शामिल हैं। चारों मामलों पर एक साथ सुनवाई होगी। 20 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई में सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार से कथित अनियमितताओं की जांच कर रही एसआईटी के पुनर्गठन पर विचार करने को कहा था। अदालत ने कहा था कि जांच का नेतृत्व एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को करना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 109 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 44 कार्यों का किया लोकार्पण

निवाड़ी में विकास का नया अध्याय आरंभ हो रहा है: डॉ. यादव

▸▸ निवाड़ी को मिली नए संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन की सौगात

▸▸ जिला चिकित्सालय निवाड़ी, उन्नयन के बाद हुआ लोकार्पित

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य कर रही है। सबका कल्याण ही राज्य सरकार का उद्देश्य है। इसी भाव से राज्य में समान नागरिक संहिता 2026 पारित हुई है। माताओं-बहनों और बेटियों को समान अधिकार और सुरक्षा देने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। किसान कल्याण, राज्य सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है।

किसानों की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस वर्ष 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जित किया गया। किसानों की आय बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक ले जाना राज्य सरकार का लक्ष्य है।

प्रमुख घोषणाएं

निवाड़ी में विधि महाविद्यालय और एमबीए महाविद्यालय खोला जाएगा। प्रदेश की हर नगर पंचायत में गीता भवन बनाए जायेगे। निवाड़ी में सर्वसुविधायुक्त नवीन बस स्टेण्ड बनेगा। प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम सहायता बस सेवा शुरू होगी। तरीचरकला में गौशाला बनायी जाएगी। कनरे नदी पर जनौली चंदावनी के बीच पुल बनवाया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. शिशुपाल सिंह यादव, नगर परिषद अध्यक्ष निवाड़ी श्री गुलाब अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

दतिया उपचुनाव: 6 थानों के प्रभारी हटाए

भोपाल।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने दतिया जिले सहित चंबल-ग्वालियर अंचल में पदस्थ 14 निरीक्षक एवं उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान पदों से हटाकर नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई उपचुनाव के दौरान निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के 26 जुलाई के पत्र के अनुपालन में इन अधिकारियों को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक नई इकाइयों में पदस्थ किया गया है। इनमें कई थाना प्रभारियों को पुलिस मुख्यालय भोपाल अटैच किया गया है, जबकि कुछ अधिकारियों को दतिया जिले के विभिन्न थानों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दतिया विधानसभा क्षेत्र से इन पुलिस अफसरों को हटाया

थाना प्रभारी अज़ाक : निरीक्षक केहरी परिहार, थाना सिविल लाइन : उप निरीक्षक अमित ओसारे, थाना बड़ौनी : उप निरीक्षक नीरज कुमार, थाना प्रभारी जिगना : उप निरीक्षक रचना माहौर थाना गोराघाट : उप निरीक्षक अर्चना पाल, थाना प्रभारी धीरपुरा : उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह जाट।

3 साल बाद कटेगा निशातपुरा स्टेशन का फीता, 28 जुलाई को सीएम देंगे सौगात

3 लाख लोगों का सफर होगा आसान

भोपाल

करोड़ों रुपये की लागत से बनकर तैयार होने के बावजूद लंबे समय से बंद पड़े निशातपुरा रेलवे स्टेशन का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब 28 जुलाई को स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। पहले यह कार्यक्रम 26 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया। सांसद आलोक शर्मा ने संसद भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर स्टेशन का संचालन जल्द शुरू कराने का आग्रह किया।

इसके बाद रेल मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए। अब 28 जुलाई को आयोजित होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में रेल मंत्री नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री, सांसद और स्थानीय जनप्रतिनिधि स्टेशन परिसर में मौजूद रहेंगे।

दो ट्रेनों का होगा संचालन

स्टेशन के शुरू होते ही इंदौर-जम्मूतवी मालवा एक्सप्रेस और जबलपु-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। भविष्य में अन्य ट्रेनों के ठहराव और संचालन के लिए भी रेलवे से मांग की जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, निशातपुरा स्टेशन शुरू होने से करीब तीन लाख से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। भोपाल जंक्शन और रानी कमलापति स्टेशन पर यात्रियों का दबाव कम होगा तथा भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को नजदीक से रेल सुविधा मिल सकेगी।

अभी बनी रहेंगी कुछ चुनौतियां

हालांकि स्टेशन शुरू होने के बावजूद यात्रियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्टेशन तक पहुंचने के लिए अप्रोच रोड और शहर से सीधी कनेक्टिविटी अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जारी है।

बारिश की कमी होगी दूर, मप्र में सक्रिय हुए 2 मौसमी तंत्र

भोपाल।

मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अतिभारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में चार इंच या उससे अधिक वर्षा हो सकती है। वहीं राजधानी भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर समेत अधिकांश जिलों में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश का दौर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले चार दिन तक कई जिलों में तेज बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

इसकी वजह मानसून द्रोणिका, सक्रिय पवन कतरन क्षेत्र और प्रदेश के पूर्वी व पश्चिमी हिस्सों में बने निम्न दाब क्षेत्रों का प्रभाव है। इन्हीं मौसमी प्रणालियों के चलते प्रदेश में लगातार वर्षा की गतिविधियां बनी हुई हैं। पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश से प्रदेश में वर्षा की कमी पहले के मुकाबले कुछ कम हुई है। 20 जुलाई तक जहां प्रदेश में सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी, वहीं बाद के दिनों में यह अंतर घटकर करीब 11 प्रतिशत रह गया है। हालांकि अभी भी प्रदेश औसत वर्षा से पीछे चल रहा है। अब तक प्रदेश में करीब 13 इंचबारिश दर्ज हुई है, जबकि इस समय तक 14.6 इंच (370.9 मिलीमीटर) वर्षा हो जानी चाहिए थी। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 15 प्रतिशत और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 8 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

अगले 4 दिन झमाझम बारिश के आसार

इन जिलों में बारिश के आसार

अगले 24 घंटे में भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, उज्जैन, देवास, रतलाम, मंदसौर, नीमच, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर और छिंदवाड़ा सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हो सकती है।

जुलाई का प्रदर्शन अभी भी सामान्य से कम....

मौसम विभाग का कहना है कि जून में कमजोर मानसून के बाद जुलाई की शुरुआत में अच्छी बारिश हुई थी, लेकिन बीच में कई दिनों तक तेज वर्षा नहीं होने से बारिश का कुल आंकड़ा फिर सामान्य से नीचे चला गया। प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 37.3 इंच मानी जाती है, जिसमें जुलाई का योगदान सबसे अधिक रहता है। ऐसे में आने वाले कुछ दिन मानसून के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

प्लेटफॉर्म पर मिली लावारिस नाबालिग बच्ची, जीआरपी का ऑपरेशन हमदर्द

भोपाल। ऑपरेशन 'हमदर्द' के तहत जीआरपी भोपाल (रेलवे पुलिस) ने एक त्वरित और सराहनीय कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका को सुरक्षित बचाकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया है। इसके साथ ही नाबालिग से भिक्षावृत्ति कराने के आरोप में पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपाल रेलवे स्टेशन पर नियमित चेकिंग के दौरान जीआरपी टीम को एक नाबालिग बालिका संदिग्ध अवस्था में घूमती हुई मिली। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर बालिका ने अपना नाम नंदिनी और पिता का नाम शंकर बताया। उसने बताया कि वह पिपरिया (जिला नर्मदापुरम) की रहने वाली है और बिना बताए घर से निकल आई थी। जीआरपी ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बालिका को सुरक्षित थाने लाया और तुरंत 'चाइल्ड हेल्पलाइन' एवं 'बाल कल्याण समिति' को सूचित किया। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर उसके पिता को भोपाल बुलाया। पहचान और आवश्यक दस्तावेजों की पुष्टि के बाद बालिका को पिता के सुपुर्द कर दिया गया। हालांकि, जांच में बालिका से भिक्षावृत्ति (भीख मंगवाने) कराए जाने की बात सामने आने पर जीआरपी भोपाल ने पिता के खिलाफ धारा 76 जेजे एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 1.88 लाख मामलों में 13.75 करोड वसूले

भोपाल। भोपाल रेल मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के निर्देशन व वाणिज्य विभाग की टीम के आपसी समन्वय से वर्तमान वित्तीय वर्ष के 03 माह अप्रैल, मई एवं जून में टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले एवं बिना बुक गये सामान सहित कुल 1 लाख 88 हजार 2 सौ 06 मामलों से 13.75 करोड़ रुपये अर्जित किये। जिसमे बिना टिकट के 87,381 मामले, अनुचित टिकट के 1,00249 मामलें एवं 576 बिना बुक गये सामान के मामलें शामिल है। जबकि केवल जून माह में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट के 24,325 मामलें, अनुचित टिकट के 31,465 मामलें एवं 192 बिना बुक गये सामान के मामलें पकड़े गए जिससे भोपाल मंडल को केवल जून में कुल 55,982 मामलों से कुल 4.22 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे भोपाल रेल मंडल के आय में बढ़ोत्तरी हुई। जो कि वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग कर्मचारियों द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है।

ट्रक की टक्कर से ठेकेदार की मौतःममेरा भाई गंभीर रूप से घायल

भोपाल। भोपाल के रायसेन रोड स्थित छावनी पठार के पास देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में 32 वर्षीय ठेकेदार की मौत हो गई, जबकि उसका ममेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तेज रफ्तार ट्रक द्वारा बाइक को पीछे से टक्कर मारने के दौरान हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के दो टुकड़े हो गए। पुलिस के अनुसार, शेख अमजद (32) पिता शेख इकबाल अली, निवासी जिला रायसेन, पेंटिंग का ठेकेदारी का काम करते थे। शनिवार शाम वह मंडीदीप स्थित एक साइट का निरीक्षण करने गए थे। साइट देखने के बाद वह अपने ममेरे भाई के साथ बाइक से 11 मील बायपास होते हुए रायसेन रोड स्थित छावनी पठार की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अमजद और उनका ममेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान रविवार सुबह अमजद ने दम तोड़ दिया। घायल ममेरे भाई का इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। बिलखिरिया थाना पुलिस ने ट्रक जब्त कर थाने में खड़ा कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। रविवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद अमजद का शव परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी।

बदमाशों ने दो कार सहित चार वाहन फोड़े, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

भोपाल। राजधानी भोपाल में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र इलाके में शनिवार-रविवार देर रात बाइक सवार दो बदमाशों ने एक कॉलोनी में खड़े वाहनों को निशाना बनाते हुए उनके कांच पत्थरों से फोड़ दिए। पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, देर रात दो युवक बाइक पर सवार होकर कॉलोनी में पहुंचे। उन्होंने सड़क किनारे और घरों के बाहर खड़े चार पहिया वाहनों को निशाना बनाया। बदमाशों ने पत्थरों से एक-एक कर वाहनों के शीशे तोड़ दिए और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। सुबह जब वाहन मालिक घरों से बाहर निकले तो वाहनों के टूटे हुए कांच देखकर उनके होश उड़ गए। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही कटारा हिल्स थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले, जिसमें दो बाइक सवार संदिग्ध वारदात को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

यात्री सेवा शुरू करने से पहले ई-बसों का 5 दिन तक बिना यात्रियों के संचालन परीक्षण किया गया

राजधानी में आज से शुरू होगा ई-बसों का ट्रायल

15 अगस्त तक यात्रियों को मुफ्त सफर....

भोपाल।

भोपाल में सार्वजनिक परिवहन को इलेक्ट्रिक और आधुनिक बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ने जा रहा है। पीएम ई-बस सेवा के तहत सोमवार से यात्रियों के साथ इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल शुरू किया जाएगा। खास बात यह है कि ट्रायल अवधि में यात्रियों से कोई किराया नहीं लिया जाएगा। यह सुविधा प्रस्तावित आधिकारिक लॉन्च 15 अगस्त तक जारी रहेगी। यात्री सेवा शुरू करने से पहले ई-बसों का पांच दिन तक बिना यात्रियों के संचालन परीक्षण किया गया। इस दौरान अलग-अलग रूट पर बसों की टाइमिंग, ट्रैफिक के बीच संचालन और पूरी व्यवस्था की जांच की गई। ट्रायल सफल रहने के बाद अब यात्रियों के साथ बसें चलाने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

दो रूट पर चलेंगी 10 ई-बसें

ई-बस सेवा के शुरुआती चरण में 10 बसों को दो रूट पर उतारा जाएगा। बोर्ड ऑफिस स्क्वायर को पूरे नेटवर्क के लिए प्रमुख हब बनाया गया है। पहला रूट- बैरागढ़ डिपो से लालघाटी, पीरगेट, मोती मस्जिद, कमला पार्क और न्यू मार्केट होते हुए कोलार तक रहेगा। दूसरा रूटः डिपो स्क्वायर से शुरू होकर बोर्ड ऑफिस, चेतक ब्रिज, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा और अशोका गार्डन होते हुए कोच फैक्ट्री तक जाएगा।

2026 के अंत तक 100 बसों का लक्ष्य

भोपाल में ई-बस सेवा केंद्र सरकार की PM-eBus Se2a योजना के तहत संचालित की जा रही है। इसके तहत साल 2026 के अंत तक शहर के 10 अलग-अलग रूट पर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। अभी तक 21 ई-बसें भोपाल पहुंच चुकी हैं। बसों को खड़ा करने और चार्ज करने के लिए संत हिरदाराम नगर में अलग डिपो भी तैयार किया गया है।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए एआई और सीसीटीवी

ई-बसों में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए कई आधुनिक तकनीकें शामिल की गई हैं। बसों में डिजिटल टिकटिंग के साथ मोबाइल ऐप के जरिए पास बनाने की सुविधा होगी। हर बस में पांच सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दोनों दरवाजों पर एआई आधारित यात्री गिनने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा इमरजेंसी, पैनिक और स्टॉप बटन, हर खिड़की पर आपातकालीन स्थिति में इस्तेमाल होने वाले हैमर, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और एलईडी यात्री सूचना प्रणाली भी मौजूद रहेगी।

दिव्यांग के लिए खास सुविधा

ई-बसों में दिव्यांग यात्रियों के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक व्हीलचेयर लिफ्ट भी लगाई गई है। इससे व्हीलचेयर से सफर करने वाले यात्रियों को बस में चढ़ने और उतरने में आसानी होगी। यात्रियों के साथ ट्रायल पूरा होने के बाद 15 अगस्त को ई-बस सेवा के आधिकारिक शुभारंभ की तैयारी है। 100 बसों का पूरा नेटवर्क शुरू होने के बाद भोपाल की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

एफआईआर कराएंगे दर्ज

फिर से बनेगी अवैध कॉलोनियों की सूची

भोपाल

सालों से शासन-प्रशासन, नगर निगम अवैध कॉलोनियों को वैध करने की कवायद में जुटा है और गिनती की कॉलोनियां ही वैध की जा सकी, क्योंकि कायदे-कानून इतने जटील है हीं, साथ ही विकास शुल्क की राशि जमा नहीं कराई जाती। अभी तक निगम ने जो कॉलोनियां वैध की है उसमें से 90 फीसदी से ज्यादा कॉलोनियों में विकास शुल्क की राशियां ही जमा नहीं हो सकी। वहीं दूसरी तरफ शासन अवैध कॉलोनियों पर पूर्ण नियंत्रण के लिए कड़े कानूनी प्रावधान लागू करने जा रही है। दूसरी तरफ प्रशासन भी नए सिरे से अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार करवाने और इनसे जुड़े कॉलोनाइजरों पर एफआईआर दर्ज करवाने के दावे कर रहा है। कॉलोनी सेल इसके लिए एक एसओपी भई तैयार करेगा। अभी जनसुनवाई में संस्थाओं की जमीनों के साथ अवैध कॉलोनियों की शिकायतें भी सबसे अधिक आती है।

बीते 20 सालों में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की सरकार

अवैध कॉलोनियों को वैध करने का ढिंढोरा पीटती है और नतीजे में अभी तक ये कॉलोनियां वैध ही नहीं हो सकी है। नगर पालिक निगम 2021 के तहत वर्तमान में नियमितिकरण की जो प्रक्रिया चल रही है उसमें भी किसी भी कॉलोनी को नियम मुताबिक वैध करने की प्रक्रिया तो है ही नहीं, उसकी बजाय अधोसंरचना की अनुमति दी जाती है, बगीचे, खुली जगह, सडक़, पेयजल, ड्रैनेज विकसित किया जाना है।

निगम और कलेक्ट्रेट का कालोनी सेल लगातार अवैध कॉलोनाइजेशन के खिलाफ कार्रवाई करता रहा है। मप्र शासन भी अवैध कॉलोनियों पर सख्ती से रोक के लिए कानून बना रहा है।

राजधानी में रन फॉर लाइफ मैराथन

भोपाल

भोपाल में रविवार को मध्य प्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी महाअभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत टीटी नगर स्टेडियम से रन फॉर लाइफ मैराथन का आयोजन किया गया। पुलिस और सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त पहल के तहत कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देना था। इसी के साथ सभी को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। मैराथन की शुरुआत रविवार सुबह टीटी नगर स्टेडियम से हुई। इसमें बड़ी संख्या में युवा, खिलाडिय़ों, आम नागरिकों और पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान 2 किलोमीटर वॉकथॉन, 5 किलोमीटर हाफ मैराथन और 10 किलोमीटर मैराथन आयोजित की गई।

नशे की लत व्यक्ति और पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है

इस अवसर पर एडीजी डी. श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि पुलिस विभाग की ओर से यह मैराथन की गई। इसका उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक यह संदेश पहुंचाना है कि नशे से दूर रहें, जीवन का आनंद लें और रन फॉर लाइफ का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि नशे की लत एक गंभीर बीमारी है, जो व्यक्ति और पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस डॉ. मोनिका शुक्ला ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नई हो या पुरानी पीढ़ी, सभी को मिलकर नशे जैसी बुराई को खत्म करना होगा।

राकेश कुमार कुशवाह ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के लिए गर्व का विषय है कि पुलिस मुख्यालय, विसबल शाखा में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विसबल के निज सहायक,निरीक्षक (अ) राकेश कुमार कुशवाह (वरिष्ठ शीघ्रलेखक) ने ओपन इंडिया प्री-स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता-2026 की 10 मीटर एयर पिस्टल (मास्टर वर्ग) स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया है। उनकी इस उपलब्धि से मध्यप्रदेश पुलिस का गौरव राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक बढ़ा है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कुशवाह की इस उल्लेखनीय सफलता को दृष्टिगत रखते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेल भावना एवं मनोबल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 5 हजार रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया है।

भोपाल में 30 हजार दुकानें होंगी जब्त

भोपाल

राजधानी भोपाल के रिहायशी इलाकों में वर्षों से संचालित अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू। नगर निगम ने पहले चरण में अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर और बावडिय़ा कला के 429 दुकानों, कार्यालय, बैंकों और शोरूमों को नोटिस जारी किए हैं। नगर निगम ने कहा है कि 27 जुलाई तक वैध दस्तावेज प्रस्तुत करें। ऐसा नहीं करने पर नगर निगम भवनों को खाली कराकर तत्काल सील करेगा। इस कार्रवाई से शहर के करीब 30 हजार कारोबारियों में हडक़ंप है। नोटिस के विरोध में व्यापारी खुलकर सामने आ गए हैं। भोपाल चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज ने इस मामले में नगर निगम की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। नगर निगम ने मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम 2012 और नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के तहत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए हैं। इन नोटिसों में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा तक वैध अनुमति संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएं या फिर अवैध व्यावसायिक गतिविधियां बंद की जाएं। अन्यथा तय समय के बाद निगम बिना किसी अतिरिक्त सूचना के सीलिंग की कार्रवाई करेगा। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के अनुसार भोपाल के कई प्रमुख आवासीय क्षेत्र वर्षों से व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बन चुके हैं।

एक नोटिस पर सीलिंग का खतरा, कारोबारी टेंशन में

विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी से चरमराई व्यवस्था....

मध्यप्रदेश में हर सातवां व्यक्ति मानसिक बीमारी से प्रभावित

भोपाल

मध्यप्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति एक बार फिर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में उजागर हुई है। विधानसभा के पटल पर रखी गई रिपोर्ट बताती है कि राज्य में मानसिक रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उनके उपचार के लिए न तो पर्याप्त विशेषज्ञ चिकित्सक हैं और न ही सरकार उपलब्ध बजट का प्रभावी उपयोग कर पा रही है। हालत यह है कि प्रदेश में हर सातवां व्यक्ति किसी न किसी मानसिक बीमारी से प्रभावित है और विशेषज्ञों की भारी कमी के कारण बड़ी संख्या में मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा।

कैग ने अपनी रिपोर्ट में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएमएचएस) 2015-16 का हवाला देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश की करीब 13.9 प्रतिशत आबादी, यानी लगभग 1.01 करोड़ लोग, मानसिक बीमारियों से प्रभावित हैं। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत की तुलना में 10.70 प्रतिशत अधिक है। इसके बावजूद मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी। रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू विशेषज्ञ मनोचिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर है। कैग के अनुसार प्रदेश में प्रति एक लाख आबादी पर केवल 0.05 मनोचिकित्सक उपलब्ध हैं, जबकि न्यूनतम आवश्यकता प्रति एक लाख आबादी पर कम से कम एक मनोचिकित्सक की मानी जाती है।

इसका सीधा असर मरीजों के इलाज पर पड़ रहा है। जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञों की कमी के कारण बड़ी संख्या में मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। गंभीर मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों को कई बार इलाज के लिए दूसरे राज्यों के बड़े चिकित्सा संस्थानों का रुख करना पड़ता है।

बजट मिला, लेकिन खर्च नहीं हुआ

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2020 में राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण का गठन किया था। इसके बाद जनवरी 2021 में वित्त विभाग ने इसके लिए अलग कोष बनाया और वर्ष 2023-24 में 2.40 करोड़ का बजट भी उपलब्ध कराया। लेकिन कैग ने पाया कि उपलब्ध कराए गए बजट का बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं हो सका। 2020-21 और 2021-22 में जारी राशि का कोई उपयोग नहीं हुआ। 2022-23 में भी बजट का पूर्ण उपयोग नहीं किया गया। 2023-24 में उपलब्ध राशि का 46 से 89 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न मदों में खर्च ही नहीं हो पाया। रिपोर्ट के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए धन की कमी नहीं थी, बल्कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में कमी रही।

लोकायुक्त पुलिस के 38 खत्मा आवेदन खारिज, जांच पर उठे सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस की जांच प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में है। पिछले छह महीनों के दौरान लोकायुक्त पुलिस ने विभिन्न भ्रष्टाचार संबंधी मामलों में विशेष अदालतों के समक्ष 38 खत्मा आवेदन प्रस्तुत किए। अदालत ने इनमें से एक भी आवेदन स्वीकार नहीं किया। सभी मामलों में न्यायालय ने अतिरिक्त जांच के निर्देश दिए या उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण को आगे बढ़ाने की बात कही। इस घटनाक्रम के बाद लोकायुक्त पुलिस की कार्यप्रणाली और जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। कानूनी जानकारों का कहना है, बड़ी संख्या में खत्मा आवेदन लगातार विशेष अदालत से अस्वीकार हो रहे हैं। यह लोकायुक्त पुलिस के जांच की गुणवत्ता और विवेचना पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। वहीं भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को बचाने के लिए भ्रष्टाचार के आरोप भी लोकायुक्त पुलिस पर लगने लगे हैं। प्रभावशाली भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को राहत देने के उद्देश्य से कमजोर जांच और क्लोजर रिपोर्ट के माध्यम से भ्रष्टाचार का नया खेल शुरू हो गया है।

स्कूली बच्चों के अवैध परिवहन पर आरटीओ का विशेष अभियान, चार वाहन जब्त

तीन मारुति ओमनी वैन और एक ऑटो रिक्शा पर कार्रवाई; नियमों के उल्लंघन पर 23 हजार रुपए का जुर्माना वसूला

मध्य स्वर्णिम, इंदौर।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने शनिवार सुबह शहर में विशेष जांच अभियान चलाया। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार संभागीय सड़क सुरक्षा दस्ता और आरटीओ इंदौर की संयुक्त टीम ने विभिन्न विद्यालय मार्गों पर पहुंचकर स्कूल वाहनों की सघन जांच की। अभियान के दौरान बच्चों के अवैध एवं असुरक्षित परिवहन के मामलों को लेकर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तीन मारुति ओमनी वैन और एक ऑटो रिक्शा को जब्त किया गया। वहीं मोटरयान अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 23 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। आरटीओ इंदौर प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में संभागीय सड़क सुरक्षा दस्ता प्रभारी परिवहन निरीक्षक आकाश सिटोले के नेतृत्व में टीम ने शहर के विभिन्न स्कूल मार्गों पर जांच की। अभियान के दौरान मारुति वैन, ऑटो रिक्शा और स्कूल बसों को रोककर उनके दस्तावेज, फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। अधिकारियों ने यह भी देखा कि स्कूली बच्चों को ले जाने वाले वाहनों में निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही बच्चों का परिवहन किया जा रहा है या नहीं। इसके साथ ही वाहन चालकों द्वारा आवश्यक नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं, इसकी भी जांच की गई परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षमता से अधिक बच्चों को वाहन में बैठाकर परिवहन करना बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। ऐसे वाहनों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों ने कहा कि कई बार स्कूल आने-जाने के लिए छोटे वाहनों का उपयोग किया जाता है। ऐसे में वाहन की क्षमता, फिटनेस और सुरक्षा व्यवस्था का पालन बेहद जरूरी है।

न्यूज़ ब्रीफ

किराए के कमरे में युवती का जला हुआ शव मिला

इंदौर। इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय युवती का घर में दो दिन पुराना जला हुआ शव मिला है। शव पूरी तरह झुलसा हुआ था। आसपास के रहवासियों ने दरवाजा तोड़ा, तब घटना की जानकारी मिली और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, तपेश्वरी बाग निवासी पलक केशव का शव मिला है। वह यहां किराए के कमरे में रहती थी। मूल रूप से वह टिमरनी, जिला हरदा की रहने वाली थी। फिलहाल घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आत्महत्या और हत्या, दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। युवती का शव किचन में मिला है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पिता दो दिन से युवती को फोन लगा रहे थे, लेकिन वह फोन नहीं उठा रही थी। इसके बाद पिता ने मकान मालिक को फोन किया। मकान मालिक ने आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर देखा तो घटना का पता चला। युवती बिजनेस पार्क स्थित एक बैंक में काम करती थी। पुलिस जब जांच के लिए पहुंची तो किचन में गैस बर्नर खुला मिला। शव करीब दो दिन पुराना बताया जा रहा है। वह छोटे गैस सिलेंडर का उपयोग करती थी। घटना की सूचना मिलने के बाद हरदा से परिवार इंदौर के लिए रवाना हो गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। युवती के सिर में चोट के निशान भी मिले हैं। एफएसएल जांच के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

शराब-पीकर कार चला रहे युवकों ने पुलिसकर्मियों से की मारपीट

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया में चेकिंग के दौरान तीन पुलिसकर्मियों की पिटाई हो गई। कार सवारों को पुलिसकर्मियों ने पकड़ा तो उन्होंने पुलिसकर्मियों से जमकर मारपीट कर दी। मामला अधिकारियों तक पहुंचा, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। कुछ दिन पहले जमीन विवाद में भी यहां पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। कनाड़िया पुलिस ने राहुल गेहलोद निवासी कृष्ण बाग कॉलोनी, सुभाष चौहान, आशीष और संतोष के खिलाफ शराब पीकर कार चलाने और पुलिसकर्मियों से विवाद कर मारपीट करने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे मुकाम सिंह डाबर थाने के अन्य पुलिसकर्मी किशोर सावलिया, विजय यादव, रूपेंद्र भाटी, ओमप्रकाश, मुकेश व अन्य के साथ शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान कार नंबर M P13Z K1644 लेकर राहुल गेहलोद वहां पहुंचा। कार में उसके अन्य साथी भी थे। अधिक शराब पीने के चलते राहुल गेहलोद का चालान बनाया गया, जिस पर सभी पुलिस से विवाद करने लगे। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने कार को थाने ले जाने की बात कही। तब राहुल और उसके साथियों ने हाथापाई कर दी। साथ ही अपशब्द कहते हुए नौकरी छिनवाने की धमकी दी। इस दौरान पुलिसकर्मी अशोक, किशोर सावलिया और विजय यादव के साथ जमकर मारपीट की गई, जिसमें तीनों के चेहरे और हाथ में चोट आई।

नीचे सड़क, ऊपर मेट्रो ट्रैक; लवकुश चौराहे की एक लेन शुरू, दूसरी सितंबर तक होगी तैयार

इंदौर में तैयार हो रहा एमपी का पहला डबल डेकर ब्रिज, नीचे सड़क ऊपर दौड़ेगी मेट्रो

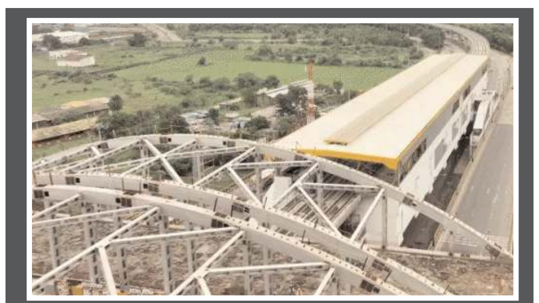

सिंहस्थ-2028 में बनेगा प्रमुख यातायात लिंक

■ पहली लेन को 23 जुलाई 2026 को यातायात के लिए शुरू किया गया। अब दूसरी लेन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य सितंबर 2026 रखा गया है। दूसरी लेन शुरू होने के बाद इस मार्ग पर यातायात संचालन और बेहतर होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परियोजना के शुभारंभ के दौरान कहा था कि यह परियोजना सिंहस्थ-2028 के दौरान इंदौर से उज्जैन के बीच बढ़ने वाले यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिंहस्थ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के इंदौर पहुंचने और यहां से उज्जैन जाने की संभावना को देखते हुए इस मार्ग को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सिंहस्थ-2028 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के इंदौर एयरपोर्ट और शहर के विभिन्न हिस्सों से उज्जैन पहुंचने की संभावना है। ऐसे में लवकुश डबल डेकर ब्रिज इंदौर-उज्जैन मार्ग के प्रमुख यातायात लिंक के रूप में काम कर सकता है।

प्रदेश में पहली बार एक ही कॉरिडोर पर सड़क और मेट्रो

मध्य स्वर्णिम, इंदौर।

शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण चौराहों में शामिल लवकुश चौराहा अब आधुनिक यातायात व्यवस्था के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। करीब 175 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। इस परियोजना की एक लेन का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर चुके हैं, जिससे लवकुश चौराहे के आसपास यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलने लगी है। दूसरी लेन का निर्माण भी तेजी से जारी है और इसे सितंबर 2026 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस डबल डेकर ब्रिज की सबसे खास बात यह है कि एक ही मार्ग पर परिवहन की दो अलग-अलग व्यवस्थाएं अलग-अलग स्तर पर संचालित होंगी। नीचे सड़क यातायात चलेगा, जबकि ऊपर मेट्रो रेल का ट्रैक होगा। सीमित स्थान में सड़क और मेट्रो की सुविधा को एक साथ विकसित करने वाली यह परियोजना इंदौर के साथ-साथ पूरे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिज की दोनों लेन पूरी तरह शुरू होने के बाद उज्जैन रोड, एमआर-10, बाणगंगा, अरबिंदो अस्पताल, एयरपोर्ट और शहर के पश्चिमी हिस्से के बीच आने-जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इससे शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा और यात्रियों को पहले की तुलना में कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। यह परियोजना एमआर-10 रोड पर यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही आने वाले वर्षों में इंदौर के बढ़ते शहरी विस्तार और यातायात जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ने के बीच ऐसे बहुस्तरीय परिवहन ढांचे की आवश्यकता भविष्य में और बढ़ेगी।

इंदौर-उज्जैन के बीच सफर होगा और आसान

■ लवकुश चौराहे पर बन रहा यह डबल डेकर ब्रिज मध्य प्रदेश में अपनी तरह की पहली परियोजना है। इसमें नीचे सड़क यातायात और ऊपर मेट्रो रेल का संचालन प्रस्तावित है। दोनों परिवहन व्यवस्थाओं को एक ही कॉरिडोर में अलग-अलग स्तर पर विकसित करने से जमीन की आवश्यकता कम होगी और उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

2023 में शुरू हुआ था निर्माण

इंदौर विकास प्राधिकरण यानी आईडीए ने इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण वर्ष 2023 में शुरू कराया था। परियोजना के निर्माण के दौरान मेट्रो कॉरिडोर के साथ समन्वय, तकनीकी जटिलताओं और स्टील बो-स्ट्रिंग ढांचे के निर्माण के कारण काम को अलग-अलग चरणों में पूरा किया गया।

इंदौर-उज्जैन क्षेत्रीय विकास को मिलेगी रफ्तार

ब्रिज के पूरी तरह शुरू होने के बाद उज्जैन रोड पर वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट से उज्जैन के बीच बेहतर संपर्क सुविधा विकसित होगी। इसके साथ ही बाणगंगा, एमआर-10 और अरबिंदो अस्पताल क्षेत्र में यातायात के दबाव को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है। यातायात के सुचारु होने से यात्रियों के समय और ईंधन दोनों की बचत होने की संभावना है। खासतौर पर रोजाना इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन यानी इंदौर-उज्जैन महानगरीय क्षेत्र विकसित करने की दिशा में भी काम कर रही है। इसका उद्देश्य दोनों शहरों को आर्थिक, औद्योगिक, आवासीय और परिवहन नेटवर्क के माध्यम से एक-दूसरे से बेहतर तरीके से जोड़ना है। ऐसे में लवकुश डबल डेकर ब्रिज को इस क्षेत्रीय विकास की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। बेहतर सड़क संपर्क और मेट्रो कनेक्टिविटी के साथ आने वाले समय में औद्योगिक निवेश, आवासीय विकास और माल परिवहन व्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सिंहस्थ को देखते हुए बदलेगा मार्ग का स्वरूप

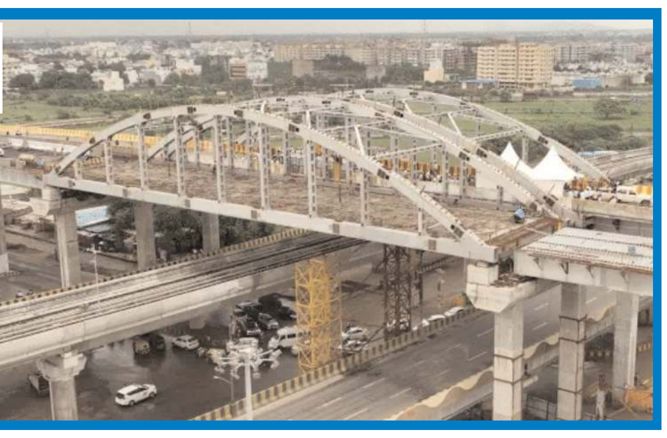

मंत्री विजयवर्गीय बोले- कांग्रेस अवसरवाद की राजनीति कर रही, छात्र आंदोलन से उसका कोई लेना-देना नहीं

मध्य स्वर्णिम, इंदौर।

नीट परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस की ओर से निकाले गए विरोध जुलूस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक अवसरवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस आंदोलन को लेकर कांग्रेस विरोध प्रदर्शन कर रही है, उससे उसका वास्तविक रूप से कोई लेना-देना नहीं है। उनके अनुसार, पहले छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया और पुलिस की कार्रवाई भी हुई, लेकिन बाद में कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से इस मुद्दे को अपने हाथ में लेने की कोशिश की। मंत्री विजयवर्गीय ने यह बात शनिवार रात इंदौर में कांग्रेस द्वारा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर निकाले गए विरोध जुलूस पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हर उस मुद्दे में राजनीतिक अवसर दिखाई देता है, जिससे उसे सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का मौका मिल सके। उन्होंने कांग्रेस की भूमिका को अवसरवाद की राजनीति बताते हुए कहा कि जिस आंदोलन का मूल उद्देश्य छात्रों की समस्याओं और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े सवालों को उठाना था, उसमें कांग्रेस बाद में राजनीतिक लाभ लेने के लिए शामिल हुई। विजयवर्गीय ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत छात्रों के आंदोलन से हुई थी। छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और इसी दौरान पुलिस की कार्रवाई भी हुई। उनका कहना था कि कांग्रेस उस समय आंदोलन का हिस्सा नहीं थी, लेकिन बाद में जब उसे लगा कि इस मुद्दे के माध्यम से राजनीतिक लाभ लिया जा सकता है, तब उसने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष को हर घटना को राजनीतिक रंग देने के बजाय वास्तविक मुद्दों पर गंभीरता से बात करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इस पूरे घटनाक्रम में कोई वास्तविक योगदान नहीं था और अब वह केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए आंदोलन का समर्थन कर रही है।

बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष निराश था

■ मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि यदि पड़ोसी के घर बच्चा पैदा हो जाए और कांग्रेस ढोल बजाने लगे, तो उसमें कांग्रेस की क्या भूमिका होगी। उन्होंने इसी उदाहरण के माध्यम से कांग्रेस पर दूसरे के मुद्दे को राजनीतिक अवसर के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। विजयवर्गीय ने कहा कि बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष पूरी तरह निराश हो चुका था और उसे सरकार के खिलाफ राजनीति करने के लिए एक नए मुद्दे की तलाश थी। उनके अनुसार, जैसे ही नीट परीक्षा से जुड़ा विवाद सामने आया, विपक्ष को इसमें राजनीतिक संभावना नजर आने लगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर यदि किसी प्रकार की शिकायत है तो उसकी निष्पक्ष जांच भी जरूरी है। लेकिन किसी छात्र आंदोलन को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना उचित नहीं है।

शहरवासियों ने लिया नशामुक्त इंदौर का संकल्प

स्टेडियम से निकली नशामुक्ति मैराथन रजत पाटीदार ने युवाओं को किया प्रेरित

मध्य स्वर्णिम, इंदौर।

नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से रविवार सुबह नेहरू स्टेडियम से जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। ÷नशे से दूरी है जरूरी 2.0 से नो टू ड्रग्स अभियान के तहत आयोजित इस मैराथन में भारतीय क्रिकेटर रजत पाटीदार सहित बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह से ही नेहरू स्टेडियम में मैराथन में शामिल होने वाले प्रतिभागियों का पहुंचना शुरू हो गया था। युवाओं में आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां हाथों में लेकर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। मैराथन के दौरान प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के समर्थन में नारे लगाए और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। मैराथन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करना था। पुलिस की ओर से आयोजित इस अभियान के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि नशे की आदत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, करियर और सामाजिक जीवन पर भी गंभीर असर डाल सकती है। मैराथन में शामिल युवाओं ने दौड़ के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से पूरी तरह दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। आयोजन के दौरान युवाओं की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों और युवा प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ मैराथन में हिस्सा लेकर नशामुक्त समाज बनाने का संदेश दिया। मैराथन के अवसर पर भारतीय क्रिकेटर रजत पाटीदार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि जीवन में सफलता हासिल करनी है और अपने सपनों को पूरा करना है तो नशे से दूर रहना बेहद जरूरी है।

नैतिकता नहीं, भारी युवा आक्रोश के चलते हुआ शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहा छात्रों व युवाओं का आंदोलन अभी लगभग पूरे देश में फैलता ही जा रहा था कि गत शनिवार सरकार को उन्हें पद से हटाना ही पड़ गया। आंदोलित छात्रों को केवल विपक्ष या अन्य तमाम सेलेब्रिटीज़ का ही समर्थन नहीं मिला बल्कि उन्हें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी का भी समर्थन हासिल हुआ। जोशी ने छात्र आंदोलन को अपना समर्थन देते हुये कहा था कि महिलाओं और कम उम्र की लड़कियों के साथ बेरहमी से बुरा व्यवहार किया गया, जिससे उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर हैं और उनकी चिंताएँ वाजिब हैं, जिनका समाधान सहानुभूति और संवाद के माध्यम से होना चाहिए था, न कि केवल क़ानून-व्यवस्था का मामला मानकर बल प्रयोग से। परन्तु अहंकारी सत्ता ने समय रहते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की उनकी मांग पूरी करने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें भयभीत करने की रणनीति अपनाई। और आख़िरकार पुलिस की दमनकारी नीति सरकार को और भारी पड़ गयी।

सवाल यह है कि जिस धर्मेंद्र प्रधान के जुलाई 2021 से जुलाई 2026 तक के शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान देश में अलग-अलग स्तरों पर लगभग 70 से 80 बार पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। जिस धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री मंत्री रहते विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (विशेषकर NEET और UGC-NET) में हुई पेपर लीक की घटनाओं और उनके मानसिक तनाव के कारण और उसके बाद उनके भविष्य को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के चलते पिछले कुछ हफ़्तों में ही 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। और देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य सीधे तौर पर प्रभावित हुआ, केवल नीट परीक्षा के पेपर लीक, परिणाम रद्द होने और री-टेस्ट के कारण अकेले 22 लाख से अधिक (2.2 मिलियन) छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया और उन्हें दोबारा भीषण मानसिक तनाव में परीक्षा की तैयारी करनी पड़ी। इसी तरह यूजीसी-नेट परीक्षा, डार्क नेट पर पेपर लीक होने की वजह से रातों-रात परीक्षा रद्द होने के कारण 9 लाख से अधिक छात्रों का कैरियर सीधे प्रभावित हुआ। ऐसे शिक्षा मंत्री को हटाने में सरकार को आख़िर इतना समय क्यों लगा।

दरअसल धर्मेंद्र प्रधान बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका पूरा राजनीतिक और सामाजिक आधार संघ से ही प्रेरित रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देबेंद्र प्रधान ओडिशा में भाजपा के शुरुआती नेताओं में से थे और स्वयं संघ के आजीवन कार्यकर्ता रहे। डॉ. देबेंद्र प्रधान 1998-2004 के मध्य वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे। जुलाई 2021 में जब धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद की ज़िम्मेदारी दी गई, तो उन्होंने देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) को लागू करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान उन्होंने पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर भारतीय महापुरुषों और स्वदेशी इतिहास को प्रमुखता से शामिल करने का कार्य किया, जिसे संघ के सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण के अनुकूल माना जाता है।

धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और नए नेशनल Curriculum फ़्रेम वर्क (NCF-SE 2023) के तहत स्कूली पाठ्यक्रमों (विशेषकर NCERT किताबों) में व्यापक बदलाव किए गए। इसमें वेदों, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन खगोल विज्ञान और भारत की समृद्ध गणितीय विरासत (जैसे प्राचीन गणितज्ञों के योगदान) से जुड़े संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। कक्षा 6 से ही कोडिंग, वित्तीय साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और स्थानीय शिल्पकला (जैसे मिट्टी के बर्तन बनाना, बाग़बानी आदि) जैसे व्यावहारिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रम में जोड़ा गया। स्कूली स्तर पर स्वास्थ्य, कल्याण और योग को शारीरिक शिक्षा के अनिवार्य और मुख्य मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। इसी तरह NCERT की कक्षा 6 से 12वीं तक की किताबों से पाठ्यक्रम का लगभग 30% हिस्सा हटा दिया गया, जिसे लेकर काफ़ी विवाद भी हुआ। इतिहास की किताबों (विशेषकर कक्षा 12वीं) से मुग़ल दरबार, मुग़ल शासकों के इतिहास और उनके प्रशासनिक तौर-तरीक़ों से जुड़े कुछ विस्तृत अध्यायों और अंशों को हटाया या छोटा किया गया। सामाजिक विज्ञान की किताबों से 2002 के गुजरात दंगे, देश में लागू हुआ आपातकाल, नक्सली आंदोलन और शीत युद्ध के दौर से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदर्भों और अध्यायों को पूरी तरह हटा दिया गया। कक्षा 9वीं और 10वीं की विज्ञान की किताबों से जीवों के विकास के सिद्धांत यानी डार्विन का सिद्धांत और आवर्त सारणी के कुछ बुनियादी अध्यायों को मुख्य पाठ्यकम से हटाया गया।

कक्षा 10वीं के नागरिक शास्त्र से लोकतंत्र और विविधता, लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन तथा लोकतंत्र की चुनौतियां जैसे अध्यायों को पाठ्यक्रम से बाहर किया गया। उस समय शिक्षा मंत्रालय और हृष्टश्वत्रक्ष ने इन बदलावों पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि यह बदलाव विशेषज्ञों की राय, विभिन्न स्तरों पर पाठों के दोहराव को रोकने और छात्रों को आधुनिक समय की ज़रूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए किए गए हैं, न कि किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत। शायद यही वजह थी कि संघ के एजेंडे को लागू करने वाली नई शिक्षा नीति के कार्यान्वन के मध्य सरकार प्रधान को हटाना नहीं चाह रही थी। परन्तु अब राजनीतिक गलियारों में अपुष्ट रूप से यह चर्चा भी हो रही है कि युवा आंदोलन के मध्य संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा सरकार को युवाओं के साथ संवाद और संवेदनशीलता बरतने के दिए गए।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम

योगेश कुमार गोयल

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया।

उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी।

1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए। डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020- ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान् विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

श्रावणी मेला : गंगा, शिव-लोकआस्था का अनश्वर उत्सव

भारतीय धार्मिक परंपरा में उत्तरवाहिनी गंगा को अत्यंत पवित्र और मोक्षदायिनी माना गया है। यही कारण है कि यहाँ से लिया गया गंगाजल विशेष रूप से पूजनीय माना जाता है और उसी जल से बाबा बैद्यनाथ का अभिषेक करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। गंगा के मध्य विशाल शिला पर अवस्थित बाबा अजगैवीनाथ मंदिर इस यात्रा का आध्यात्मिक द्वार है। सदियों से श्रद्धालु यहीं जल भरकर अपनी पदयात्रा आरंभ करते हैं। नदी के बीच स्थित यह मंदिर मानो जल और जीवन, प्रकृति और पुरुष, शिव और शक्ति के शाश्वत मिलन का प्रतीक बनकर खड़ा है। गंगा की लहरें जब मंदिर की चट्टानों को स्पर्श करती हैं तो लगता है जैसे स्वयं प्रकृति शिव की आरती उतार रही हो।

कुमार कृष्णन

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में कुछ यात्राएँ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का माध्यम नहीं होतीं, वे मनुष्य के भीतर की यात्रा का भी रूप ले लेती हैं। वे पगडंडियों पर चलती हुई सभ्यता की कथा कहती हैं, लोकजीवन की धड़कनों को स्वर देती हैं और मनुष्य को उसके मूल से जोड़ती हैं। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज से झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम तक होने वाली श्रावणी कांवड़ यात्रा ऐसी ही एक जीवंत सांस्कृतिक परंपरा है। यह यात्रा केवल गंगाजल लेकर शिव के दरबार तक पहुँचने का अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय लोकजीवन की उस अविरल धारा का उत्सव है, जिसमें आस्था, अनुशासन, सेवा, सह-अस्तित्व और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता एक साथ प्रवाहित होती है। उत्तरवाहिनी गंगा के पवित्र जल को कांवर में भरकर वे लगभग 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा तय करते हुए देवघर में बाबा बैद्यनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक करेंगे। करोड़ों कदमों से बनती यह यात्रा भारत की सबसे बड़ी लोकआस्थाओं में से एक है, जो किसी सरकारी निमंत्रण या औपचारिक आयोजन से नहीं, बल्कि जनविश्वास की स्वाभाविक शक्ति से संचालित होती है।

श्रावण का महीना आते ही सुल्तानगंज का भूगोल बदल जाता है। गंगा के तट पर केसरिया रंग उतर आता है। दूर-दूर तक बोल बम और हर-हर महादेव का घोष गूंजने लगता है। ऐसा लगता है मानो नदी स्वयं मंत्रोच्चार कर रही हो और धरती श्रद्धा के पदचिह्नों से भर उठी हो। हजारों नहीं, लाखों लोग एक ही उद्देश्य, एक ही संकल्प और एक ही विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। इस विराट जनसमूह में न जाति का भेद दिखाई देता है, न भाषा का, न प्रदेश का। यहाँ हर व्यक्ति केवल एक पहचान से जाना जाता है—कांवरिया।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने धर्म को केवल मंदिरों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रखा। यहाँ धर्म जीवन के व्यवहार, प्रकृति के सम्मान और समाज की साझी चेतना से जुड़ा रहा है। इसी कारण भारतीय तीर्थयात्राएँ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता की सबसे सशक्त अभिव्यक्तियाँ हैं। सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस यात्रा का आरंभ जिस सुल्तानगंज से होता है, उसकी महत्ता केवल इसलिए नहीं कि यहाँ से कांवर उठती है। यह भारत के उन विरल तीर्थों में है जहाँ गंगा उत्तर की ओर बहती है। सामान्यत: गंगा का प्रवाह दक्षिण और पूर्व की दिशा में होता है, किंतु सुल्तानगंज में वह उत्तरवाहिनी बन जाती है। भारतीय धार्मिक परंपरा में उत्तरवाहिनी गंगा को अत्यंत पवित्र और मोक्षदायिनी माना गया है। यही कारण है कि यहाँ से लिया गया गंगाजल विशेष रूप से पूजनीय माना जाता है और उसी जल से बाबा बैद्यनाथ का अभिषेक करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

गंगा के मध्य विशाल शिला पर अवस्थित बाबा अजगैवीनाथ मंदिर इस यात्रा का आध्यात्मिक द्वार है। सदियों से श्रद्धालु यहीं जल भरकर अपनी पदयात्रा आरंभ करते हैं। नदी के बीच स्थित यह मंदिर मानो जल और जीवन, प्रकृति और पुरुष, शिव और शक्ति के शाश्वत मिलन का प्रतीक बनकर खड़ा है। गंगा की लहरें जब मंदिर की चट्टानों को स्पर्श करती हैं तो लगता है जैसे स्वयं प्रकृति शिव की आरती उतार रही हो।

सुल्तानगंज का इतिहास भी उतना ही प्राचीन है जितनी उसकी आस्था। प्राचीन ग्रंथों में इसका उल्लेख जाह्नुगिरि अथवा जाह्नुगृह के रूप में मिलता है। पौराणिक कथा है कि महर्षि जाह्नु का आश्रम यहीं था। गंगा के प्रचंड वेग से उनका आश्रम प्रभावित हुआ तो उन्होंने क्रोधित होकर गंगा को अपने कमंडल में समाहित कर लिया। बाद में देवताओं के आग्रह पर उन्होंने पुन: गंगा को प्रवाहित किया। तभी से गंगा का एक नाम जाह्नवी पड़ा। यह कथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति सम्मान और संतुलन की चेतना का भी प्रतीक है।

श्रावणी यात्रा की आध्यात्मिक जड़ें समुद्र मंथन की उस प्रसिद्ध कथा से जुड़ी हैं, जिसमें निकले कालकूट विष को भगवान शिव ने समस्त सृष्टि की रक्षा के लिए अपने कंठ में धारण किया। विष की ज्वाला को शांत करने के लिए देवताओं ने उन पर जल अर्पित किया। तभी से शिव पर जलाभिषेक की परंपरा प्रारंभ हुई। श्रावण मास में गंगाजल अर्पित करना उसी स्मृति का विस्तार है। यह जल केवल पूजा का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन, करुणा और लोककल्याण का प्रतीक भी है।

जब जेन-ज़ी ने बदल दी राजनीति की भाषा

शिक्षा सुधार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों के लिए पहचाने जाने वाले वांगचुक ने इस आंदोलन को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक स्वरूप देने का प्रयास किया। उनके साथ बड़ी संख्या में छात्र और सामाजिक संगठन जुड़े। उनके समर्थन में मिजोरम सहित कई राज्यों में प्रदर्शन भी हुए, जिसने यह संकेत दिया कि यह मुद्दा किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। इस आंदोलन ने मीडिया की भूमिका पर भी बहस छेड़ दी है। कई युवाओं का आरोप है कि मुख्यधारा के मीडिया के कुछ वर्गों ने आंदोलन को अपेक्षित महत्व नहीं दिया, जबकि सोशल मीडिया पर यह देशव्यापी चर्चा का विषय बना रहा। इससे सूचना के स्रोतों और मीडिया की विश्वसनीयता पर भी नए प्रश्न खड़े हुए हैं।

सौरभ जैन अंकित

ऑल इज़ वेल केवल एक फिल्मी संवाद नहीं था, बल्कि एक पीढ़ी की उम्मीदों का प्रतीक बन गया था। फिल्म 3 इडियट्स में शिक्षा व्यवस्था की खामियों के खिलाफ जो संदेश दिया गया था, वही सवाल आज वास्तविक जीवन में फिर गूंज रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब पर्दे का काल्पनिक किरदार नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और देशभर के हजारों युवा जंतर-मंतर से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक की घटनाओं ने देश के लाखों छात्रों के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। वर्षों की कठिन मेहनत, आर्थिक संघर्ष और भविष्य के सपनों के बीच यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर ही सवाल उठने लगें, तो यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं रह जाता, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे केवल पेपर लीक तक सीमित नहीं रहा। यह आंदोलन युवाओं की उस व्यापक बेचैनी का प्रतीक बन गया, जिसमें रोजगार, अवसरों की समानता, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दे शामिल हैं।

आज की जेन ज़ी केवल भावनात्मक नारों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि वह तथ्यों, पारदर्शिता और संस्थागत सुधारों की मांग करती है। इस आंदोलन की एक विशेषता यह भी रही कि इसमें किसी राजनीतिक दल का झंडा नहीं दिखाई दिया। छात्र अपने भविष्य की सुरक्षा और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली की मांग लेकर सड़कों पर उतरे। सोशल मीडिया ने इस आंदोलन को नई ताकत दी। एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे मंचों पर युवाओं ने अपनी बात सीधे देश तक पहुंचाई। पारंपरिक मीडिया से इतर डिजिटल प्लेटफॉर्म इस आंदोलन का सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभरे। यही कारण है कि यह आंदोलन राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौती केवल परीक्षा सुधार की नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास को बनाए रखने की भी है। सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए कठोर कानून, फास्ट ट्रैक अदालतों और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जैसे कदमों की घोषणा की है। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि यह पर्याप्त नहीं है और परीक्षा प्रणाली में व्यापक संस्थागत सुधार की आवश्यकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सोनम वांगचुक का नाम एक बार फिर चर्चा में आया। शिक्षा सुधार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों के लिए पहचाने जाने वाले वांगचुक ने इस आंदोलन को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक स्वरूप देने का प्रयास किया। उनके साथ बड़ी संख्या में छात्र और सामाजिक संगठन जुड़े। उनके समर्थन में मिजोरम सहित कई राज्यों में प्रदर्शन भी हुए, जिसने यह संकेत दिया कि यह मुद्दा किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। इस आंदोलन ने मीडिया की भूमिका पर भी बहस छेड़ दी है। कई युवाओं का आरोप है कि मुख्यधारा के मीडिया के कुछ वर्गों ने आंदोलन को अपेक्षित महत्व नहीं दिया, जबकि सोशल मीडिया पर यह देशव्यापी चर्चा का विषय बना रहा। इससे सूचना के स्रोतों और मीडिया की विश्वसनीयता पर भी नए प्रश्न खड़े हुए हैं। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। यदि यही युवा व्यवस्था पर भरोसा खोने लगें, तो यह किसी भी सरकार और समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता केवल प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर का प्रश्न है। इसलिए यह आवश्यक है कि जांच निष्पक्ष हो, दोषियों को कड़ी सजा मिले और ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जंतर-मंतर का यह आंदोलन एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि आज की पीढ़ी केवल रोजगार नहीं, बल्कि ईमानदार अवसर चाहती है।

वह केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जवाबदेही की अपेक्षा करती है। यदि शासन और संस्थाएं इस संदेश को समय रहते समझ लें, तो यह आंदोलन केवल विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास बहाल करने का अवसर भी बन सकता है। आखिरकार, किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के विश्वास पर टिका होता है, और उस विश्वास की रक्षा करना सरकार, संस्थाओं और समाज—सभी की साझा जिम्मेदारी है।

सौ दो सौ बूँदें टपका कर कंहा गायब हो गए प्यारे मानसून

चैतन्य भट्ट

गर्मी, गर्मी, गर्मी, हाय गर्मी लोग मरे जा रहे है गर्मी से, सूर्य देवता भी अपनी पूरी ताकत लगाए पड़े हैं कि कितनी गर्मी धरती पर बरसा दें, जनता पसीने से भीग चुकी है, कूलर, एसी सब फेल हो चुके हैं नदियों तालाबों का पानी सूख गया है बस इंतजार है तो मानसून के बादलों का लेकिन मानसून देखो तो इस तरफ नजरें इनायत नहीं कर रहा। वंही दूसरी तरफ मुंबई हो, सूरत हो, अहमदाबाद हो ऐसा बरसा कि शहर समुद्र नजर आने लगे लेकिन पता नहीं मध्यप्रदेश से क्या खुंदक हो गई है कि इस तरफ झाँक भी नहीं रहा। रोजाना मौसम विभाग वाले भविष्यवाणी करते है कि बस इंतजार की घड़ियाँ खत्म हुई बादल ऐसे बरसेंगे कि भागते गैल नहीं मिलेगी लेकिन होता क्या है दस पचास बूंदे टपका कर गायब हो जाते हैं ये बादल।

अपन ने तो ये सुना था मुंबई से तुम सीधे जबलपुर आते हो यानी मध्यप्रदेश में प्रवेश कर लेते हो लेकिन ये भी नहीं हो रहा, वैसे तुम्हारा पुराना रिकॉर्ड भटकने का रहा है अपने को तो एक बात आज तक समझ में नहीं आई कि तुम हर साल आते हो तो फिर एक साल में अपना रास्ता कैसे भूल जाते हो तुम्हारे इंतजार में लोग काला चश्मा लगाकर आसमान की तरफ देख रहे लेकिन अभी दूर-दूर तक तुम्हारे बादलों का पता नहीं है, अगर सीधे-सीधे मुंबई से गरीब रथ में बैठ जाते या मुंबई से जबलपुर आने वाली और किसी ट्रेन से आ जाते तो दूसरे दिन ही पहुंच जाते आना होता तो सीधे-सीधे फ्लाइट से आ जाते आने के तो बहुत से रास्ते थे लेकिन लगता है तुम भी नेता टाइप हो गए हो कहते कुछ हो और करते कुछ हो, जनता परेशान है लेकिन करना तुमको वही है जो तुम्हारे मन में आता है जितना इंतजार तुम्हारा हो रहा है उतना इंतजार तो आशिक अपनी महबूबा का भी नहीं करता। तुम तो उनसे भी बढ़कर हो गए हो खैर अब सब कुछ तुम पर ही डिपेंड है तुम्हें जिस भी रूट से आना है आ जाओ तुम्हें फ्लाइट से आना है ट्रेन से आना है या अपनी खुद की गाड़ी से बाय रोड आना है ये तुम डिसाइड कर लो लेकिन आ जरूर जाओ भैया, वरना गर्मी सबकी लाई लूट लेगी अब तो तुम्हारे इंतजार में बस यही गाना तमाम लोग गा रहे हैं इंतहा हो गई इंतजार की आई ना कुछ खबर मानसून की

गधे रसगुल्ले खा रहे

लोग बात कहते हैं कि गधे की किस्मत सबसे खराब होती है बेचारा सामान ढोता रहता है और चूं तक नहीं करता, गधे को बतौर गाली भी मान लिया जाता है मां-बाप जब बेटा पढ़ाई नहीं करता तो यही कहते हैं पक्का गधा बनेगा ये,, लेकिन कहते हैं कि भगवान ने हर एक की किस्मत लिखी है ये बात अलग है कि कभी-कभी समय अच्छा होता है और कभी-कभी खराब, अब देखो ना इन गधों की किस्मत ने क्या गुल खिलाया मानसून आ नहीं रहा पानी बरस नहीं रहा तो एक मान्यता है कि यदि गधों को गुलाबजामुन खिलाओ तो पानी बरसता है तो अपने प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोग गुलाबजामुन लेकर गधों को ढूंढ रहे हैं कि कहीं से कोई गधा मिल जाए तो उसको गुलाब जामुन खिला दें लेकिन गधे हैं कि ढूंढे नहीं मिल रहे गधों ने भी सोच लिया है कि बहुत बेइज्जती हमारी कर ली अब बेटा हम तुम्हें अलसेट देंगे। जब तक हम गुलाब जामुन नहीं खा लेंगे तब तक पानी बरसेगा नहीं और जब तक पानी बरसेगा नहीं तो तुम समझ लो तुम्हारी हालत क्या होने वाली है। इसी को कहते हैं कि कभी किसी को कमजोर नहीं समझना चाहिए। जिस गधे को लोग दूर से भगा देते थे अब उसके हाथ पैर जोड़ रहे हैं कि भैया गधा गुलाब जामुन तो खा लो यार लेकिन गधे हैं तो गुलाब जामुन देखकर मुंह फेर लेते हैं अपना तो कहना इन लोगों से यही है कि आज से कसम खाओ कि कभी किसी को गधा नहीं कहोगे चाहे कोई भले ही कितना गधा क्यों ना हो, और जहां भी गधा देखो तुरंत उसको प्रणाम कर लेना और अकेले मानसून के लिए ही नहीं बल्कि जब भी वो दिखाई दे उसे दो चार गुलाब जामुन जरूर खिला देना ताकि उसको गुलाब जामुन खाने की प्रैक्टिस हो जाए।

आनंद ही तो छीन लिया

मध्य प्रदेश के पशुपालन मंत्री लखन पटेल के सितारे गर्दिश में क्या आए अच्छा खासा विभाग उनसे छीन लिया गया। बताया जाता है कि उनके विभाग में भारी गड़बड़ी चल रही थी और जिससे सरकार की बदनामी हो रही थी इसके चलते दिल्ली से आए फोन ने लखन भैया की गद्दी छीन ली अब पशुपालन विभाग तो छीन लिया तो दिया क्या जाए क्योंकि सभी विभाग तो मलाईदार होते हैं और उन्हें मलाई देना नहीं है। सोच विचार के बाद उन्हें आनंद विभाग दे दिया। बरसों पहले ये आनंद विभाग बनाया गया था लेकिन कितने लोगों को आनंद विभाग ने आनंद दिया ये बहुत बड़ी खोज का विषय है यहां तक कि आनंद विभाग में जो लोग काम कर रहे हैं।

क्या उन्हें इस विभाग में आनंद आ रहा है ये भी एक दूसरी खोज का विषय है कहने को तो लखन पटेल जी को आनंद विभाग का जुम्मा दे दिया है लेकिन अपने को लगता है कि पशुपालन विभाग से उनको हटाकर उनका पूरा आनंद सरकार ने छीन लिया है अब वे दुखी होकर आनंद विभाग का जुम्मा संभालेंगे। अब आप खुद ही सोचो कि जिसके पास आनंद विभाग का चार्ज हो वही खुद आनंद में ना हो तो ऐसे आनंद विभाग की जरूरत ही क्या है लेकिन सरकार भी बहुत बुद्धिमान होती है ऐसे दो-चार डिपार्टमेंट बना के रखती है जिसमें पंजी का भी आनंद नहीं है लेकिन कहने को होता है कि आपके पास एक पोर्टफोलियो है और यही लखन पटेल जी के साथ हो रहा है।

सुपर हिट ऑफ द वीक

कौन कहता है कि बीवियां अपनी गलती नहीं मानती श्रीमान जी ने अपने दोस्त से कहा

आपकी पत्नी ने ऐसी कौन सी गलती मान ली दोस्त ने पूछा

कल उसने साफ-साफ कह दिया कि तुमसे शादी करके सचमुच मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई श्रीमान जी ने उत्तर दिया।

चिंतन-मनन : सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं यूजी-3 सिल्वर सेंचुरा कैसल साऊथ तुकोगंज इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित, पिनकोड-452001। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो :- 09977701999
समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, ईमेल आईडी: madhyaswarnimindore@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। MPHIN/25/A1708

गुरु पूर्णिमा पर उज्जैन में सजेगा महर्षि संदीपनी गुरु पर्व का भव्य मंच

29 जुलाई को गीता भवन में होगा राज्य स्तरीय आयोजन; मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे मुख्य अतिथि

मध्य स्वर्णिम, उज्जैन।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर उज्जैन में राज्य स्तरीय महर्षि संदीपनी गुरु पर्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। आगामी 29 जुलाई को गीता भवन में आयोजित होने वाले इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, मंच व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न विभागों को सौंपी जाने वाली जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि महर्षि संदीपनी गुरु पर्व के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों की उपलब्धियों को मंच से प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सम्मान प्रदान किया जाएगा, ताकि अन्य छात्र-छात्राओं को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिल सके। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थी निर्धारित गणवेश में ही उपस्थित हों। उन्होंने विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम की गरिमा और महत्व को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं की समय रहते समीक्षा कर ली जाए और सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए। कार्यक्रम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और आमंत्रित अतिथियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आयोजन को गरिमामय और सफल बनाने के लिए सभी विभाग पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

टीबी मरीजों की मदद के लिए निक्षय मित्र बनाने और आयुष्मान कार्ड शिविरों के प्रचार पर दिया जोर

जिला पंचायत की साधारण सभा में योजनाओं की समीक्षा, स्वास्थ्य और जल जीवन मिशन पर जोर

मध्य स्वर्णिम, उज्जैन।

जिला पंचायत उज्जैन की साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर अंतर सिंह देवड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल जीवन मिशन, शिक्षा, उद्यानिकी, सहकारिता, आदिम जाति कल्याण, जिला उद्योग केंद्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित विभिन्न विभागों से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर सहित जिला पंचायत के सदस्य और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से नियमित समन्वय स्थापित किया जाए। उनके क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी आवश्यकताओं की जानकारी लेकर समय पर समाधान किया जाए उन्होंने स्वास्थ्य योजनाओं, चिकित्सकों की उपलब्धता और एंबुलेंस सेवाओं की अद्यतन जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में एंबुलेंस सेवाओं के सुचारु संचालन पर विशेष जोर दिया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। बैठक की शुरुआत पूर्व साधारण सभा के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा से हुई। इसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सहकारिता, जल जीवन मिशन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, शिक्षा और विद्युत विभाग से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में निर्माणाधीन उप-स्वास्थ्य केंद्रों की गुणवत्ता का मुद्दा भी सामने आया। बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अन्य संबंधित विभागों के उपयंत्रियों से इन निर्माणाधीन केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराया जाए। अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और निर्धारित मापदंडों के अनुसार कार्य पूर्ण कराने पर जोर दिया गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले स्वास्थ्य केंद्रों का लाभ लोगों को बेहतर तरीके से मिल सके।

टीबी मुक्त भारत अभियान में निक्षय मित्र बनाने पर जोर

■ बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान की कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि टीबी मरीजों की पहचान और उनकी सहायता के लिए क्षेत्र में अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाए जा सकते हैं। इसके माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को उपचार के दौरान आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। बैठक में टीबी मरीजों को छह माह तक उपलब्ध कराए जाने वाले फूड बास्केट की व्यवस्था और इसके लाभों की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों और स्थानीय स्तर पर सक्रिय लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए आयोजित किए जा रहे शिविरों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इसके लिए समाचार पत्रों और प्रचार वाहनों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया, ताकि पात्र हितग्राही शिविरों में पहुंचकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकें और स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा सकें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट ने जिले में संचालित विभिन्न नवाचारों की जानकारी भी बैठक में साझा की। उन्होंने बताया कि जनसेवा प्रहरियों को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार देने और उन्हें सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अंतिम सप्ताह में फिर तेज होगा मानसून

मंदसौर में एक दिन में महज 0.07 इंच बारिश हुई

मध्य स्वर्णिम, मंदसौर।

मंदसौर जिले में मानसून की गति फिलहाल धीमी पड़ गई है। पिछले दो दिनों से जिला मुख्यालय सहित अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज नहीं की गई है। 24 घंटे में जिले में महज 0.07 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई है। रविवार सुबह से आसमान में घने बादल छाए रहे, लेकिन बारिश केवल हल्की बूंदाबांदी तक सीमित रही। बादल लगातार मंडराते रहे, हालांकि अधिकांश स्थानों पर बिना बरसे आगे बढ़ गए। शनिवार को भी दिनभर बादल छाए रहे, पर जिला मुख्यालय सहित सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, दलौदा, मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, डिगांव, बरखेड़ा और अफजलपुर जैसे अधिकांश क्षेत्रों में बारिश नहीं हुई। जिले में अब तक कुल 13.40 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। हाल ही में हुई लगातार बारिश से किसानों को राहत मिली है। किसानों का कहना है कि यह वर्षा सोयाबीन, मक्का, उड़द सहित अन्य खरीफ फसलों की बढ़वार के लिए बेहद लाभदायक साबित हो रही है। खेतों में पर्याप्त नमी बनने से फसलों की अच्छी वृद्धि की उम्मीद जगी है। लगातार बारिश का असर जिले के जल स्रोतों पर भी दिखाई दिया है। पहले शहर में दो दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जा रही थी, लेकिन हालिया बारिश के बाद नगर पालिका ने शनिवार से एक दिन छोड़कर जलापूर्ति शुरू करने का निर्णय लिया है।

लापरवाही : खुले तार से गाय की मौत, बारिश में बिना सुरक्षा बिजली खंभे पर चढ़ा कर्मचारी

मध्य स्वर्णिम, उज्जैन।

उज्जैन में रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं ने सरकारी कार्यों में बरती जा रही लापरवाही को उजागर किया। एक ओर सीवरेज कार्य के बाद खुले छोड़े गए बिजली के तार से करंट फैलने से एक गाय की मौत हो गई, वहीं बारिश के बीच बिना सुरक्षा उपकरण के बिजली के खंभे पर काम करते कर्मचारी का वीडियो सामने आया। पहला मामला आगर रोड स्थित नक्षत्र गार्डन के पास का है। यहां सीवरेज लाइन का काम पूरा होने के बाद ठेकेदार के कर्मचारियों ने डीपी से लिया गया बिजली कनेक्शन नहीं हटाया था। आरोप है कि खुले तार से पूरे निर्माण स्थल और आसपास की गीली सड़क पर करंट फैल गया। रविवार सुबह करीब 7 बजे एक गाय करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और चिमनगंज मंडी थाना पुलिस व नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा को इसकी सूचना दी। लोगों ने चिंता व्यक्त की कि यह कॉलोनी का मुख्य मार्ग है और यदि रविवार के बजाय स्कूल खुला होता तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। स्थानीय लोगों ने काम खत्म होने के बाद बिजली कनेक्शन न हटाने, मौके पर बैरिकेडिंग या चेतावनी बोर्ड न लगाने और डीपी से बिजली लेने की अनुमति को लेकर सवाल उठाए। वहीं, दूसरी घटना केडी गेट स्थित खजूर वाली मस्जिद के पास सामने आई। यहां बारिश के दौरान बिजली के खंभे लगाने का कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक कर्मचारी बिना हेलमेट, बिना सेफ्टी बेल्ट और किसी अन्य सुरक्षा उपकरण के ऊंचे बिजली के खंभे पर चढ़कर काम करता दिखाई दिया।

महाकाल मंदिर के सुरक्षाकर्मी को चाकू मारने वाले का जुलूस

उज्जैन। महाकाल थाना पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों का जुलूस निकाला। दोनों आरोपी हाथ जोड़कर आम लोगों से माफी मांगते नजर आए। पहला आरोपी शुक्रवार को महाकालेश्वर मंदिर के बाहर पिनाकी द्वार के पास सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे मंदिर की क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) के कर्मचारी आकाश चौहान पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला था। वहीं, दूसरा आरोपी यातायात पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने का आरोपी है। महाकाल थाना पुलिस ने दोनों मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। मंदिर कर्मचारी पर चाकू से हमला करने के आरोपी अंकुश परमार का पुलिस ने शक्तिपथ पर जुलूस निकाला। दूसरा आरोपी, आनंद चौहान भी महाकाल थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उस पर यातायात पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने का आरोप है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद महाकाल थाना पुलिस ने उसके खिलाफ भी कार्रवाई की।

जमीन विवाद में महिलाओं से मारपीट का वीडियो : खेत में काम कर रहे परिवार पर 20-25 लोगों के पहुंचने का आरोप

मध्य स्वर्णिम, उज्जैन।

जिले के खाचरौद तहसील क्षेत्र के भाटखेड़ी गांव में जमीन विवाद को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। खेत में काम कर रही महिलाओं के साथ कथित मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि कुछ लोग ट्रैक्टर और लाठी-डंडों के साथ खेत पर पहुंचे और खड़ी सोयाबीन की फसल को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से ट्रैक्टर चलाना शुरू कर दिया। महिलाओं ने जब इसका विरोध किया तो उनके साथ कथित रूप से मारपीट की गई। घटना के बाद पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने उज्जैन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने और परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। पीड़ित पक्ष के अनुसार घटना 25 जुलाई की दोपहर की है। परिवार के सदस्य अपने खेत में सोयाबीन की फसल की निंदाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान करीब 20 से 25 लोग ट्रैक्टर और लाठी-डंडों के साथ खेत में पहुंचे। पीड़ितों का आरोप है कि इन लोगों ने खेत में खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाना शुरू कर दिया। परिवार के सदस्यों ने जब इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं के साथ मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है और इसी विवाद के चलते उनके खेत में पहुंचकर दबाव बनाने का प्रयास किया गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उन्हें खेत खाली करने के लिए दबाव बनाया। विरोध करने पर कथित तौर पर गाली-गलौज और मारपीट की गई। पीड़ितों का यह भी आरोप है कि उन्हें जान से मारने और जिंदा जलाने तक की धमकियां दी गईं।

गुरु पूर्णिमा से विजयादशमी तक चलेगा 'हिंदू ही आगे' अभियान घर-घर संपर्क के साथ जरूरतमंदों के लिए जुटाया जाएगा अनाज

मध्य स्वर्णिम, उज्जैन।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने मालवा प्रांत में संगठन के विस्तार और सामाजिक गतिविधियों को गति देने के लिए आगामी छह महीनों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। उज्जैन के मक्सी रोड स्थित प्रसंग मैरिज गार्डन में आयोजित दो दिवसीय मालवा प्रांत बैठक में संगठन विस्तार, सामाजिक सेवा और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में संगठन की ओर से 'हिंदू ही आगे' नाम से विशेष संपर्क अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह अभियान गुरु पूर्णिमा से विजयादशमी तक चलाया जाएगा। अभियान के दौरान मालवा प्रांत के विभिन्न जिलों में घर-घर संपर्क कर करीब एक लाख परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार अभियान के तहत कार्यकर्ता विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे। अभियान का उद्देश्य लोगों को धार्मिक और सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करना तथा संगठन की गतिविधियों से जोड़ना बताया गया है। इसके साथ ही अभियान के दौरान घर-घर से एक मुट्ठी अनाज एकत्र करने की योजना भी बनाई गई है। एकत्रित अनाज को जरूरतमंद और वंचित परिवारों तक पहुंचाया जाएगा। संगठन ने इसे सामाजिक सहयोग और सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है।

घर-घर संपर्क कर लोगों से संवाद करेगा संगठन

■ बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए प्रत्येक गांव और वार्ड में हनुमान चालीसा केंद्र शुरू करने की योजना पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा नए सदस्यों को जोड़ने और स्थानीय स्तर पर समितियों का गठन कर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन के विस्तार के साथ सामाजिक गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इसके तहत अलग-अलग स्थानों पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लोगों के ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की जाएगी। बैठक में आगामी छह महीनों के लिए विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। इसमें गुरु पूर्णिमा उत्सव, 14 अगस्त को अखंड भारत संकल्प दिवस, शस्त्र पूजन और गणेश उत्सव के दौरान 'माय फ्रेंड गणेशा' अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साधु-संतों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित करने की योजना भी बनाई गई है। पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने और विभिन्न स्तरों पर समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया।

25,800 रुपए का सामान जब्त

मंदसौर में घर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पूरा माल बरामद

मध्य स्वर्णिम, मंदसौर।

शहर में घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया पूरा सामान बरामद करने का दावा किया है। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 25,800 रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और अब उससे शहर में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार चोरी की यह वारदात 500 क्वार्टर टिगरिया अभिनंदन नगर क्षेत्र में हुई थी। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और घटनास्थल तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी की पहचान की गई। टिगरिया अभिनंदन नगर निवासी हर्ष धानक (21) ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाश उसके घर में घुसकर कीमती सामान चोरी कर ले गया है। चोरी गए सामान में एप्पल कंपनी के एयरबड्स, पावर बैंक, चांदी की अंगूठी, चांदी का सिक्का और 800 रुपए नकद शामिल थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने का प्रयास किया। जांच में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने 500 क्वार्टर टिगरिया अभिनंदन नगर निवासी 27 वर्षीय जुबेर हुसैन पिता मोहम्मद हुसैन को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

फीमेल हेल्थ एंपलाई वेलफेयर संघ फीवा का किया गठन

भारती यादव संघ की जिलाअध्यक्ष बनी

परासिया। फीमेल हेल्थ एंपलाई वेलफेयर संघ फीवा का रविवार को गठन किया गया। फीवा संगठन की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। भारती यादव को संगठन का जिला अध्यक्ष और प्रीति वर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। फीवा संघ की प्रांतीय संगठन मंत्री भारती यादव के निर्देशन में एवं उपस्थित साथियों की सहमती से भारती यादव को जिलाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष प्रीति वर्मा को नियुक्त किया गया। गई जिला कार्यकारिणी में रश्मि लांबा उपाध्यक्ष, प्रेमलता सनोडिया उपाध्यक्ष, सोनम सोनी जिला महामंत्री, माया साहू सचिव, ममिता भारद्वाज, हेमा बरखे सह सचिव, मोनिका शुक्ल कोषाध्यक्ष, भावना यादव सह कोषाध्यक्ष, कुंती ठाकरे, एकता दीवान, प्रवक्ता, प्रीति सराठे, उमा धुर्वे मीडिया प्रभारी, ,कविता राय ,किरण परतेती प्रचार मंत्री, प्रीति वर्मा, रेशु नामदेव को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। सरिता उइके, गरिमा साहू, सुनंदा वर्मा, उपस्थित रहे।

रायसेन में बनेगा शहीद पार्क, 15 वीरों की लगेंगी मूर्तियां

रायसेन। रायसेन में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में रविवार शाम शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जमुना सेन ने घोषणा की कि नपा के नवीन भवन के सामने एक शहीद पार्क बनाया जाएगा, जिसमें देश के 15 वीर शहीदों की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। सेन ने बताया कि यह पार्क नई पीढ़ी को शहीदों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेने के लिए बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वीर सपूतों की स्मृति को सहेजने और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का प्रतीक बनेगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शहर के गणमान्य नागरिकों ने वीर शहीदों को पुष्पचक्र एवं माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जमुना सेन, वार्ड1 के पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार शाक्य, वार्ड क्रमांक-8 के पार्षद वीरेंद्र कैलाश ठाकुर, वार्ड क्रमांक-14 के पार्षद देवेंद्र यादव और वरिष्ठ पत्रकार अशोक सोनी सहित कई नागरिक मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने शहीदों के अद्वितीय बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव की रक्षा का संकल्प लिया।

फरियादी की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी

ग्राम मेढकी मे अज्ञात हमलावरों ने तलवार से हमला कर युवक को मौत के घाट उतारा

सांची/रायसेन।

शनिवार रात लगभग साढे नौ बजे रात्रि में उस समय हडकंप मच गया जब एक 25 वर्षीय युवक अपनी दुकान बंद कर अपने घर जा रहा था कि रास्ते में तीन अज्ञात मोटरसाइकिल सवारो ने उसे रोककर उसपर तलवार से हमला कर दिया जिससे गंभीर घायलावस्था मे उसे भोपाल ले जाया गया जहाँ डाक्टरों ने जांच उपरांत मृत्य घोषित कर दिया। फरियादी की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शनिवार रात लगभग साढे नौ बजे राकेश लोधी पिता प्रताप लोधी उम्र25 वर्ष निवासी मेढकी सलामतपुर से अपनी दुकान बंद कर अपने घर मेढकी जा रहा था उसके साथ उसका रिश्तेदार बबलेश लोधी भी टीवी एस मोटर साइकिल से मेढकी जा रहे थे।

रास्ते में तीन अज्ञात आरोपी यामा मोटर साइकिल पर सवार जो मुंह पर कपडा बांधे हुए थे ने रास्ते में विदिशा का रास्ता पूछा इसके बाद वह व्यक्ति आगे बढ़ कर ग्राम मेढकी पहुंच कर गांव में किसी का पता पूछने लगे तभी आरोपियों में से एक आरोपी ने तलवार से राकेश के ऊपर हमला कर दिया उस समय राकेश के साथ जो उसका रिश्तेदार बबलेश था वह अपनी जान बचाकर दूर जाकर छिप गया तभी दूसरे हमला वर ने अपने साथी से तलवार लेकर राकेश के ऊपर क ई वार किये जिससे वह गिर गया तथा हमला वर भाग खडे हुए तब बबलेश ने गांव के लोगों को जानकारी दी तथा गांव के लोगों ने घटना स्थल पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा राकेश को तत्काल भोपाल हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने जांच उपरांत राकेश को मृत्य घोषित कर दिया इसके बाद बबलेश ने थाना सांची पहुंच कर रिपोर्ट दर्ज कराई पुलिस ने सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर अप क्र 165/26 धारा 126(2)103(1)3(5) बीएन एस के अंतर्गत दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है तथा अज्ञात हमलावरों की पहचान हेतु सुबूत खंगालने शुरू कर दिये हैं।

मृतक राकेश लोधी

इस घटना से क्षेत्र में हडकंप मच गया है। हालांकि सूचना मिलते ही अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया तथा सांची थाने पहुंच कर अज्ञात हमलावरों को गिरफ्तार करने रूप रेखा तैयार की गई। अब धीरे धीरे पुलिस की लचर कार्यप्रणाली का क्षेत्र भर मे अपराधियों के हौसले बुलंद हो चले हैं।

10 दिन पहले भी हुआ था हमला, पुलिस में की थी शिकायत

परिजन ने बताया कि करीब 10 दिन पहले भी दुकान से लौटते समय कुछ बदमाशों ने राकेश की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर हमला करने की कोशिश की थी। इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया था। इसके बाद राकेश को लगा कि मामला शांत हो गया है। वह पहले की तरह दुकान आने-जाने लगा। उसे अंदाजा नहीं था कि कुछ दिन बाद उस पर इतना घातक हमला होगा।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

खिरसाडोह में बाईक सवार को टक्कर मारकर भागा कार चालक

परासिया। खिरसाडोह में रविवार को साढे छह बजे कार चालक ने बाईक सवार को टक्कर मार दिया। इस टक्कर से बाईक सवार को कंधे, पैर, हाथ, चेहरे पर चोटे आई। बाईक सवार खुद ही बाईक चलाते हुए अस्पताल आ गया। अस्पताल में उसका प्राथमिक उपचार किया गया। दुर्घटना खिरसाडोह ईको सेंटर के पास हुई। चांदामेटा निवासी अक्षय डेहरिया गुरैया से चांदामेटा वापस लौट रहा था। वह मेडिकल कालेज में काम करता है। ईको सेंटर के पास परासिया की ओर से आ रहे कार चालक ने उसे टक्कर मार दी। इस टक्कर से वह सडक पर गिर गया। बाईक को नुकसान पहुंचा। वहीं उसे चोट लगी। परासिया अस्पताल में उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

मैग्जीन लाईन से कांवड लेकर निकले भक्त, चौरागढ के बाबा को चढाएंग जेल

परासिया। मैग्जनी लाईन वार्ड कमांक पांच से युवाओं का दल कांवड यात्रा लेकर निकला। रविवार को दो बजे कांवड यात्रा निकाली गई। युवाओं का दल पचमढी से चौरागढ पहुंचकर बाबा महादेव को जल अर्पित करेगा। नाचते गाते बाबा के भक्त निकले। न्यूटन में इनका स्वागत किया गया। युवकों ने बताया कि चौरागढ महादेव पहुंचकर बाबा को जल चढाएंगे।

जिला जूनियर एवं सीनियर बैडमिंटन चौम्पियनशिप चांदामेटा में दो अगस्त से

परासिया। जिला बैडमिंटन संघ, छिंदवाड़ा के सयोजन मेंवर्कर्स क्लब पेंच क्षेत्र चान्दामेटा में जिला जूनियर एवं सीनियर बैडमिंटन चौम्पियनशिप 2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता 2 अगस्त से 4 अगस्त तक चलेगी। जिला बैडमिंटन संघ से सचिव जावेद खान ने बताया कि प्रतियोगिता जूनियर अंडर-13, जूनियर अंडर-15, जूनियर अंडर-17, सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग में आयोजित की जा रही है। प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। प्रतियोगिता के लिए जावेद खान, जाय पत्रा, तरुण विश्वकर्मा, अंकुर खतारे, रत्नेश दुबे से संपर्क किया जा सकता है। सभी इच्छुक खिलाड़ियों से 31 जुलाई 2026 तक अपना प्रवेश सुनिश्चित कर इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने का आग्रह किया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन मंगेश मुंदेकर, प्रमोद वर्मा, अंशुल जैन ,दीपेश अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। एडवोकेट चेम्बर-6 में रविवार को रहा उत्सव का माहौल। सीहोर ।र विवार को जिला न्यायालय परिसर स्थित एड़वोकेट चेम्बर न.6 में दिनभर रंगारंग उत्सव का माहौल बना रहा। एड़वोकेट शंकर खरे द्वारा अहर्ता परीक्षा उत्तीण कर सनद हासिल करने पर सम्बद्ध सहयोगियों मित्रों ने खरे का मल्यार्पण स्वागत किया एवं बधाइयां दीं। उसके पश्चात स्थानीय गीतकार मुन्ना रतन,प्रवीणजैन,गगन मेहता ने सुमधुर पुराने फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता विजय सक्सेना थे एवं अध्यक्षता एडवोकेट श्रवण वास्तवार ने की विशेष अतिथि के रूप में कुतुबुद्दीन शेख उपस्थित थे।

खेत में निंदाई कर रही महिला की अंगुली में सांप ने डंसा

लहगडुआ की घटना, परासिया अस्पताल में किया उपचार

परासिया।

लहगडुआ में खेत में निंदाई कर रही महिला की अंगुली में सांप ने काट लिया। घटना रविवार को दो बजे के आसपास की है। महिला को चार बजे परासिया अस्पताल लाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद छिंदवाडा रिफर कर दिया गया। महिला पुष्पा मरकाम खेत में काम कर रही थी। खेत में इन दिनों निंदाई का काम चल रहा है। खेत से चारा उखाडने के लिए जैसे ही उसने हाथ डाला। हाथ में काले रंग के सांप ने डंस लिया।

महिला ने सांप को देखा। महिला के आसपास कोई नहीं था। छिंदवाडा में रिश्तेदार को सूचना दी गई। वह छिंदवाडा से लहगडुआ आई और महिला को परासिया अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद छिंदवाडा रिफर कर दिया गया। उमरेठ के खारापिंडर्ई में भी बालिका को सांप ने डंस लिया। उसके हाथ में कोहनी और पंजे के बीच में सांप ने डंस लिया। तेरह साल की बालिका सो रही थी। तब उसे सांप ने डंस लिया। बालिका को उपचार के लिए परासिया लाया गया।

एंटी स्नैक वेनम देकर उसे छिंदवाडा रिफर किया गया। सर्प दंश के उपचार को लेकर नर्सिंग आफिसर रौशनी चौरे ने बताया कि समय रहते हास्पिटल लाने से तुरंत जान बच सकती है। अस्पताल में सांप के जहर का तोड मौजूद है। झाड फूंक में समय बर्बाद न कर तत्काल मरीज को अस्पताल लाए।

बकरियां चुराने कार में भर ली बकरियां आरोपियों को न्यूटन चौकी लाई पुलिस

परासिया।

न्यूटन चौकी के पगारा के गोली परासिया में रविवार को एक अलग तरह का मामला सामने आया। बकरियां चुराने के लिए आरोपी लग्जरी कार से पहुंचे। गांव में उन्होंने बकरियों को कार में भर लिया। ग्रामीणों ने देख दिया। इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस रविवार को छह आरोपियों को चौकी ले आई है। मामले की जांच जारी है। स्विफ्ट डिजायर कार से पांच लोग गौली परासिया आए थे। गौली परासिया में बकरियों को कार में भर लिया था। ग्रामीणों ने कार में बकरियां भरकर चोरी करते देख लिया था। अन्य ग्रामीणों को सूचना दी गई।

ग्रामीणों ने कार को रोक लिया। न्यूटन चौकी प्रभारी को फोन लगाया गया। तत्काल न्यूटन पुलिस चौकी प्रभारी दिनेश बघेल मौके पर स्टाफ के साथ पहुंचे और बकरियां चोरी करने वाले को न्यूटन चौकी में लाया गया। पुलिस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क किनारे बैठी बकरियों को चोरों ने बड़ी तेजी से कार का गेट खोलकर अंदर भर लिया था।

ब्रिक्स फैक्ट्री दुर्घटना में मृत कामगार के घर पहुंचे पूर्व विधायक, परिजनों से चर्चा कर सांत्वना दी

परासिया।

परासिया के पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया रविवार को तीन बजे गाजनडोह पहुंचे। गायनडोह में उन्होंने मृत कामगार मंगू भोजे यादव के परिजनों से मुलाकात की। परिवार को इस दुख के क्षणों में ढांढस बंधाया। मंगू यादव की ग्रीन लाईट एसीसी ब्लाक फैक्ट्री जमुनिया जेटू में हुइ दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनके गाजनडोह स्थित निवास पर पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष अरुण कपूर पहुंचे'। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि प्रशासन से मांग की गई है कि मृत कामगार को कंपनशेसन तत्काल प्रदान किया जाए और परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाए। ताराचंद बावरिया ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में वे परिवार के साथ हैं तथा शासन से हरसंभव सहायता दिलाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवार को शासन की सभी पात्र सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से निरंतर संपर्क में रहेंगे। इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री संदीप सोनी, भाजपा नेता मधु पवार एवं आशुतोष उपस्थित रहे।

बडकुही चौकी पहुंचे नगर भाजपा के पदाधिकारी

परासिया। बडकुही नगर भाजपा ने रविवार को बडकुही चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी से चर्चा की। चौकी प्रभारी से मिलकर वार्ड क्रमांक एक की गुमशुदा नाबालिग बालिका और क्षेत्र में चल रहे अवैध धंधों को लेकर चर्चा की। पुलिस ने भाजपा नेताओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिला दी। बड़कुही नगर भाजपा ने चौकी प्रभारी अक्रजय धुर्वे से चर्चा की। इस संबंध में विस्तार से पूरे मामले की जानकारी ली एवं गंभीरता से त्वरित कार्रवाई करने की बात कही। अवैध गतिविधियों जिसमें जुआ, सट्टा, शराब पर कार्रवाई करने की बात कही। चौकी प्रभारी अक्रजय धुर्वे ने आश्वासन दिया कि ऐसी किसी भी अवैध गतिविधियों को तत्काल बंद कराया जाएगा। चौकी प्रभारी से चर्चा करने मंडल महामंत्री सुजाता तिवारी, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष मुनिराज इंदौरकर, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष माया डेहरिया, पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष असहाब मिर्जा, नगर अध्यक्ष पीडी साहू, भानु प्रताप सिंह, सुरेश यादव, मुस्ताक खान, शक्ति सिंह ठाकुर, नरेंद्र डेहरिया, राजाराम इवनाती पहुंचे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कारगिल विजय दिवस पर निकाली भव्य मशाल यात्रा

रायसेन। कारगिल विजय दिवस के सुअवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई द्वारा देश के अमर शहीदों की स्मृति में भव्य मशाल यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति के जज्बे से सराबोर यह यात्रा जिला खेल परिसर से प्रारंभ हुई। मशाल यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और युवाओं ने हाथों में जलती मशालें और राष्ट्रीय ध्वज लेकर हिस्सा लिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा।

यह यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और मुख्य चौराहों से होती हुई महामाया चौक पहुंची। महामाया चौक स्थित शहीद स्मारक पर यात्रा का समापन हुआ, जहाँ उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर और पुष्प अर्पित कर देश की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

पूर्व जिला अध्यक्ष मोहम्मद शफी ने किया नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विक्रम वैध का स्वागत

बैतूल। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष मोहम्मद शफी ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा बैतूल के कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विक्रम वैध का विजय भवन स्थित भाजपा कार्यालय में पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने विक्रम वैध को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के समन्वय तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की गई। इस स्वागत कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, जिला महामंत्री डॉ. महेंद्र सिंह चौहान, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष शारिक खान, जिला महामंत्री नूर पाशा खान, सोशल मीडिया प्रभारी सलीम शेख, नगर अध्यक्ष सईद शाह बाबा, शेख कलीम बाबा (छोटे भैया) एवं शेख जमाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1.35 करोड़ की परियोजना का निरीक्षण, पिचिंग सुधारने और 500 पौधे लगाने के दिए निर्देश

पूरन तालाब कायाकल्प में खामियां, सीएमओ ने नाराजगी जताई

रायसेन।

रायसेन शहर के ऐतिहासिक पूरन तालाब का अमृत-2 योजना के तहत कायाकल्प किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव ने तालाब परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों का जायजा लिया और पिचिंग कार्य में मिली खामियों पर ठेकेदार को सुधार के निर्देश दिए। नगर पालिका के अमृत हरित अभियान के तहत तालाब परिसर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण की तैयारी भी शुरू कर दी है।

सीएमओ सुरेखा जाटव ने बताया कि कुल 500 पौधे लगाए जाएंगे, जिसकी शुरुआत पहले चरण में 100 पौधों के रोपण से होगी। तालाब के चारों ओर बने पाथवे के किनारे छायादार और फलदार पौधे लगाए जाएंगे। 1 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से पूरन तालाब का कायाकल्प किया जा रहा है। इस योजना के तहत तालाब के चारों ओर पिचिंग, घाट, बाउंड्री वॉल और पार्क का निर्माण कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान पिचिंग कार्य में कुछ कमियां पाई गईं, जिस पर सीएमओ ने संबंधित ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएमओ ने यह भी बताया कि तालाब परिसर को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है, जो भविष्य में शहरवासियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा।

CHANGE OF NAME

I, KOUR SINGH IS FATHER OF ARMY NO - 15595700L RANK SPR NAME GURJEET SINGH SERVING IN 109 RAPID(S) ENGR REGT C/O 56 APO HOME ADDRESS AT 65 , NEAR ATTA CHAKKI , SWAICH , BATHINDA , PUNJAB, 151509 HAVE CHANGED MY NAME FROM KOUR SINGH TO KAUR SINGH . VIDE AFFIDAVIT DATED 27/07/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

शाहदरा पुलिस ने एक नाबालिग समेत 3 आरोपियों को दबोचा

कैब लूटने के लिए ड्राइवर की हत्या, पुलिस ने 36 घंटे में सुलझाया ब्लाइंड मर्डर

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

दिल्ली के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में कैब लूटने की नीयत से ड्राइवर की चाकू मारकर हत्या करने के मामले का शाहदरा जिला पुलिस ने महज 36 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर केस में एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू, खून से सने कपड़े, मोबाइल फोन समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार हत्या की यह वारदात 23 जुलाई को कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। कृष्णा नगर मेट्रो पिलर नंबर 90 के पास एक कैब में ड्राइवर के खून से लथपथ पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने हत्या और लूट की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच में पुलिस के सामने यह एक ब्लाइंड मर्डर का मामला था, क्योंकि वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे और उनके बारे में तत्काल कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पा रही थी। डीसीपी आरपी मीणा के मुताबिक, मामले की गंभीरता को देखते हुए कृष्णा नगर थाना पुलिस और जिला पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों की पहचान करने का प्रयास शुरू किया।

20 जुलाई की हिंसा के दौरान कथित पैलेट गन इस्तेमाल पर उठे सवाल

जंतर-मंतर हिंसा में पैलेट गन किसने चलाई? दिल्ली पुलिस ने कहा- हमारे पास हथियार ही नहीं

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। घटना के करीब छह दिन बाद भी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि प्रदर्शन के दौरान कथित पैलेट गन का इस्तेमाल किस बल की ओर से किया गया। मामले की जांच अब कई स्तरों पर की जा रही है। एक ओर दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन के इस्तेमाल से साफ इनकार करते हुए कहा है कि उसके पास पैलेट गन उपलब्ध ही नहीं है, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के साथ तैनात रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवानों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने आरएएफ के महानिरीक्षक को पूरे घटनाक्रम की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में अब सभी की नजर इस आंतरिक जांच रिपोर्ट पर टिकी है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस की ओर से की जा रही फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों की भी समीक्षा की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आखिर 20 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान क्या हुआ था और कथित पैलेट गन के इस्तेमाल के पीछे कौन जिम्मेदार था। दिल्ली पुलिस ने अपने ऊपर लगे आरोपों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया है कि उसके पास पैलेट गन उपलब्ध नहीं है और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस की ओर से इसका इस्तेमाल नहीं किया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना के दौरान ड्यूटी पर तैनात जवानों और अधिकारियों के रिकॉर्ड की समीक्षा की जा रही है।

दिल्ली पुलिस का दावा-हमारे पास पैलेट गन नहीं

■ जांच के दौरान घटनास्थल के वायरल वीडियो, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, ड्यूटी रिकॉर्ड और बल की तैनाती से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा यह भी देखा जा रहा है कि घटनास्थल पर तैनात सुरक्षा बलों ने निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी का पालन किया था या नहीं। 20 जुलाई को जब जंतर-मंतर पर स्थिति बिगड़ी, उस समय दिल्ली पुलिस के साथ आरएएफ के जवान भी तैनात थे। आरएएफ सीआरपीएफ की विशेष दंगा-रोधी इकाई है। ऐसे में कथित पैलेट गन के इस्तेमाल के आरोप सामने आने के बाद सीआरपीएफ ने अपनी ओर से भी मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

1677 स्कूलों की जांच में 774 में मिली गंभीर कमियां; 5633 स्कूलों तक पहुंचेगा विशेष अभियान

हर दूसरे स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था में खामी, निजी स्कूल सबसे ज्यादा फेल; अब तक 1677 स्कूलों की जांच

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली में बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूलों की व्यवस्थाओं की पोल खोलने वाली तस्वीर सामने आई है। बाल सुरक्षा माह के तहत चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण अभियान में अब तक जांचे गए 1677 स्कूलों में से 774 स्कूल ऐसे पाए गए हैं, जहां बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मानकों में गंभीर कमियां मिली हैं। यानी जांचे गए लगभग हर दूसरे स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुधार की जरूरत सामने आई है। सबसे चिंताजनक स्थिति निजी स्कूलों की बताई जा रही है, जहां आधे से अधिक स्कूल निर्धारित सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतर सके। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर 13 जुलाई से शुरू हुए इस विशेष अभियान का उद्देश्य राजधानी के स्कूलों में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत सरकारी, सहायता प्राप्त, नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड और निजी स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों की संयुक्त टीमें स्कूलों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की जमीनी स्थिति की जांच कर रही हैं।

24 जुलाई तक 1677 स्कूलों का निरीक्षण

■ सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 24 जुलाई तक राजधानी के 1677 स्कूलों का निरीक्षण पूरा किया जा चुका है। इनमें 774 स्कूलों में सुरक्षा संबंधी गंभीर खामियां पाई गईं। निरीक्षण टीमों ने संबंधित स्कूल प्रबंधन को कमियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर दूर करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक केवल निर्देश जारी कर मामले को खत्म नहीं किया जाएगा, बल्कि सुधार के बाद दोबारा निरीक्षण कर यह भी जांचा जाएगा कि स्कूल प्रबंधन ने सुरक्षा मानकों को वास्तव में लागू किया है या नहीं। अभियान के दौरान निजी स्कूलों की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक सामने आई है। अब तक 812 निजी स्कूलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 463 स्कूलों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया। यानी जांचे गए निजी स्कूलों में आधे से अधिक स्कूल सुरक्षा व्यवस्था के निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। अधिकारियों ने ऐसे स्कूलों की निगरानी बढ़ाने के साथ ही कमियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी स्कूल भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं

■ सरकारी स्कूलों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमियां मिली हैं। अब तक 790 सरकारी स्कूल परिसरों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 270 स्कूलों में सुरक्षा संबंधी खामियां सामने आईं। वहीं 75 सहायता प्राप्त स्कूलों की जांच में 41 स्कूल ऐसे पाए गए, जहां निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। अधिकारियों का कहना है कि अभियान में किसी भी श्रेणी के स्कूल को अलग नहीं रखा गया है और सभी संस्थानों में कमियों को दूर करने की प्रक्रिया समान रूप से लागू की जा रही है।

रोजाना 150 से 200 स्कूलों की जांच

■ विशेष अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए अलग-अलग विभागों की संयुक्त टीमें बनाई गई हैं। इनमें शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली पुलिस, अभिभावकों के प्रतिनिधि और स्कूल प्रमुख शामिल हैं। अभियान के दौरान कई दिनों में प्रतिदिन 150 से 200 स्कूलों का निरीक्षण किया गया है। अधिकारियों का लक्ष्य जल्द से जल्द राजधानी के सभी स्कूलों को निरीक्षण के दायरे में लाना है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली के सभी 5633 स्कूलों की जांच पूरी होने तक यह अभियान जारी रहेगा।

इंस्टाग्राम से हुई दोस्ती, जंतर-मंतर पर पहली मुलाकात

आंदोलन बना दोस्ती और सामाजिक जुड़ाव का मंच

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

सोशल मीडिया के दौर में दोस्ती की शुरुआत भले ही इंस्टाग्राम से हुई हो, लेकिन राजधानी के जंतर-मंतर पर हुई पहली मुलाकात ने इन रिश्तों को एक नई पहचान दे दी। यूथ ब्रिगेड के आंदोलन से सोशल मीडिया के जरिए जुड़े करीब 15 युवा पहली बार जंतर-मंतर पर आमने-सामने मिले। अलग-अलग शहरों और दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आए इन युवाओं के लिए आंदोलन का मंच केवल विरोध और प्रदर्शन की जगह नहीं रहा, बल्कि यहां उन्हें नए दोस्त मिले और सामाजिक जुड़ाव का भी अवसर मिला। इन युवाओं की दोस्ती की शुरुआत इंस्टाग्राम पर हुई थी। आंदोलन से जुड़ी पोस्ट और गतिविधियों को देखते हुए कई युवा एक-दूसरे से सोशल मीडिया पर जुड़े। बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा तो एक-दूसरे से मिलने की योजना बनी। इसके लिए सभी ने एक दिन तय किया और दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से निकलकर कनॉट प्लेस पहुंचे। इसके बाद सभी जंतर-मंतर पर एक साथ आंदोलन में शामिल हुए। ग्रेजुएशन पूरी कर चुकीं सुकृति ने बताया कि वह और उनके कई साथी इंस्टाग्राम पर इस आंदोलन को लगातार देख रहे थे। इसी दौरान सोशल मीडिया के जरिए उनकी एक-दूसरे से बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती हो गई। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर यह पहली मुलाकात थी, लेकिन पहली बार मिलने के बावजूद ऐसा लगा जैसे सभी एक-दूसरे को पहले से जानते हों।

दिल्ली सरकार की अहम नियुक्तियां

अल्पसंख्यक और महिला आयोग को मिले नए अध्यक्ष, सदस्यों के नाम भी तय

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार ने दो महत्वपूर्ण आयोगों में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। सरकार ने दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग और दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्षों के साथ सदस्यों के नाम भी तय कर दिए हैं। सरकार की ओर से कहा गया है कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य सामाजिक समावेश, महिला सशक्तिकरण, अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा और समाज के सभी वर्गों को न्याय व समान अवसर उपलब्ध कराना है। दिल्ली सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके साथ कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को आयोग का सदस्य बनाया गया है। सरकार का कहना है कि आयोग समाज के अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नई नियुक्तियों के बाद आयोग के कामकाज को और प्रभावी बनाने तथा अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े मुद्दों के समाधान की दिशा में तेजी आने की उम्मीद जताई गई है। दिल्ली सरकार ने कहा कि वह समाज के सभी वर्गों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अल्पसंख्यक आयोग के माध्यम से समुदायों से जुड़ी शिकायतों और समस्याओं को सुनने, उनके अधिकारों के संरक्षण तथा सरकार तक उनकी समस्याएं पहुंचाने का काम किया जाता है।

सरकार का मानना है कि नई टीम के गठन से अल्पसंख्यकों से जुड़े मामलों पर प्रभावी तरीके से काम किया जा सकेगा। साथ ही सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने और समावेशी विकास की दिशा में भी नई पहल की जा सकेगी।

सोनम वांगचुक को कब मिलेगी छुट्टी?

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को सोमवार सुबह गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वह सीधे राजघाट जाएंगे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वह अपने गृह क्षेत्र लद्दाख के लिए रवाना होंगे। उनकी टीम की ओर से यह जानकारी दी गई है। वांगचुक पिछले कई दिनों से अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार देर रात 26 दिनों से जारी अपना अनशन समाप्त किया था। इसके बाद चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज और स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा था। अब उनकी हालत में सुधार के बाद अस्पताल से छुट्टी देने की तैयारी है। बताया गया है कि सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा सकता है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सोनम वांगचुक सबसे पहले राजघाट पहुंचेंगे। वहां वह महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वह लद्दाख के लिए रवाना होंगे।

गरज-चमक के साथ बरसेंगे बादल, दिल्ली-एनसीआर में बारिश का येलो अलर्ट जारी

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने की ओर है। राजधानी दिल्ली सहित नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस दौरान एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। सप्ताह के मध्य में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने कुछ क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक रविवार और सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान आसमान में बादल छाए रहने के साथ 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि मंगलवार से मौसम की गतिविधियों में तेजी आने के आसार हैं। मंगलवार और बुधवार को मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक और बिजली गिरने की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को इस दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार और सोमवार को बारिश का दौर अपेक्षाकृत हल्का रह सकता है, लेकिन मंगलवार से इसमें तेजी आने की संभावना है। मंगलवार और बुधवार को कई इलाकों में मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज के साथ तेज बौछारें पड़ने और आकाशीय बिजली चमकने की भी आशंका है। इसी को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के दौरान निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। सड़कों पर फिसलन बढ़ने के साथ यातायात भी प्रभावित हो सकता है। लोगों को तेज बारिश और गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचने तथा बिजली गिरने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

स्वरूप नगर में दो मंजिला मकान गिरा, एक मजदूर की मौत चार घायल : पुराने मकान को तोड़ते समय अचानक गिरा लेंटर

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले के स्वरूप नगर इलाके में शनिवार दोपहर पुराने दो मंजिला मकान को तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मकान का लेंटर अचानक भरभराकर गिरने से पांच मजदूर मलबे के नीचे दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस, दिल्ली फायर सर्विस, कैट्स एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें पहुंचीं। राहत और बचाव दल ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। चार मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि पांचवें मजदूर को फायर सर्विस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद मलबे से बाहर निकाला। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी शत्रुघ्न के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे पुराने मकान को तोड़ने का काम चल रहा था। मजदूर मशीनों की मदद से मकान के लेंटर और अन्य हिस्सों को तोड़ रहे थे। इसी दौरान कुछ मजदूर भोजन कर रहे थे, जबकि कुछ अन्य मजदूर आराम कर रहे थे। अचानक मकान का लेंटर और सीढ़ी वाला आगे का हिस्सा भरभराकर नीचे आ गिरा। देखते ही देखते पांच मजदूर मलबे के नीचे दब गए। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत और बचाव का काम शुरू किया और पुलिस तथा दमकल विभाग को सूचना दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस टीम के साथ मिलकर मलबे में फंसे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद चार मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया।

मलबे में दबे पांच मजदूर; राहत-बचाव टीम ने चार को सुरक्षित निकाला

मशीनों से तोड़ा जा रहा था पुराना मकान

■ कैट्स एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, एक मजदूर मलबे के नीचे काफी गहराई में दबा हुआ था। दिल्ली फायर सर्विस की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले मजदूर की पहचान संजय (40) के रूप में हुई है। घायलों में रोहित (28) और महेंद्र (30) की पहचान हुई है। दो अन्य मजदूरों को भी चोटें आई हैं, हालांकि उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि पुराने मकान को तोड़ने के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं।

डीयू यूजी सीएसएएस राउंड-2 का शेड्यूल संशोधित, सीट स्वीकार करने की अंतिम तारीख बढ़ी

मध्य स्वर्णिम, नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए सीएसएएस यानी कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम के राउंड-2 का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। दूसरे राउंड में सीट आवंटित होने वाले विद्यार्थियों को अब प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। विश्वविद्यालय ने सीट स्वीकार करने, कॉलेज स्तर पर आवेदन और दस्तावेजों के सत्यापन तथा प्रवेश शुल्क जमा करने की समय-सीमा में बदलाव किया है। डीयू के बीए, बीएससी, बीकॉम सहित अन्य स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दूसरे राउंड की सीट आवंटन सूची 25 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे जारी की गई थी। इस राउंड में सीट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अब निर्धारित समय के भीतर अपने आवंटित कॉलेज और पाठ्यक्रम को स्वीकार करना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को तय समय-सीमा में पूरा करना जरूरी है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे राउंड में आवंटित सीट को स्वीकार करने की प्रक्रिया 25 जुलाई से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 27 जुलाई 2026 को शाम 4:59 बजे तक अपनी सीट स्वीकार कर सकेंगे। सीट स्वीकार करने के बाद संबंधित कॉलेजों की ओर से उम्मीदवारों के आवेदन और दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। कॉलेजों को आवेदन सत्यापन और अनुमोदन की प्रक्रिया 28 जुलाई 2026 को शाम 4:59 बजे तक पूरी करनी होगी।

प्रधानमंत्री की मन की बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सुनी छात्राओं के साथ

मन की बात जन-जीवन को नई दिशा देने वाला अभियान : राज्यपाल पटेल

» कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय में हुआ आयोजन

भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा का सतत प्रवाह है। यह जन-जीवन को नई दिशा देने वाला जन अभियान है। प्रधानमंत्री की प्रत्येक मन की बात गागर में सागर के समान होती है। कम समय में गहन विचार और उपयोगी संदेश देती हैं। यह कार्यक्रम ज्ञान का ऐसा भंडार है, जिसमें जीवन को सरल, सफल और सार्थक बनाने वाले अनेक प्रेरक संदेश समाहित रहते हैं। हमारे विचारों को समृद्ध और दृष्टि को व्यापक बनाते हैं। अनेक विषयों की उपयोगी जानकारी सरल भाषा में प्राप्त होती है।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी इस कार्यक्रम में देश के हर क्षेत्र से ऐसे प्रेरक प्रसंग बताते हैं, जो सामान्य लोगों के असाधारण प्रयासों का परिचय कराते हैं। यह संदेश देते हैं कि जागरूक और उत्तरदायी नागरिकों के प्रयासों से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने उपस्थित छात्राओं से कहा कि आप देश का वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य भी हैं। आप सभी इस कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनने की आदत विकसित करें। इस प्रेरक कार्यक्रम के प्रत्येक एपिसोड को दूसरों को भी सुनने के लिए प्रेरित करें। राज्यपाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के पूर्व कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय की छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के साथ छात्राओं, शिक्षकगण, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी संस्थान के सभागार में मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया।

उत्कृष्ट कार्यों को मिलती है राष्ट्रीय पहचान

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को नियमित सुनने से नया उत्साह, नया विश्वास और नए लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा का संचार होता है। जीवन की अनेक कठिनाइयों के समाधान को सकारात्मक सोच, जन-भागीदारी और सतत प्रयासों से संभव बनाने की सीख मिलती है। इस कार्यक्रम में देशभर के उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान होता है।

छोटे-बड़े व्यक्तियों का करें सम्मान, उनसे सीखते रहें

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम से छात्राएं समाज और राष्ट्र की सेवा का संकल्प लें। समाज के वंचित, गरीब और जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता के संस्कार सीखें। जीवन भर निरंतर सीखने का भाव रखें। हर छोटे-बड़े व्यक्ति का सम्मान करें। उनकी मौलिकता और विशेषताओं से सीखते रहें। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों से भी कहा कि विद्यार्थियों को अच्छा चरित्र, अच्छा व्यवहार और समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व का महत्व बतायें। उनमें हमेशा देश का मान बढ़ाने की भावना विकसित करें। विकसित भारत के नव-निर्माण में सहभागिता के लिये उन्हें प्रेरित करें। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय की छात्राओं दवारा निर्मित विज्ञान, इतिहास, कला और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्राओं से प्रदर्शनी के विषयों की जानकारी ली। राज्यपाल पटेल ने छात्राओं के प्रदर्शनी मॉडल, प्रस्तुतिकरण और नवाचार प्रयासों की सराहना की। छात्राओं के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थान के समुचित प्रबंधन के लिए विद्यालय को बधाई दी।

मंत्री-सांसद और विधायक बनेंगे विशेष आमंत्रित सदस्य

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा अपने संगठनात्मक ढांचे को और व्यापक बनाने की तैयारी में है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में होने वाली पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक अब अगस्त में आयोजित होगी। इससे पहले पार्टी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, निगम-मंडल पदाधिकारियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल करेगी। पार्टी का मानना है कि इससे सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को गति मिलेगी। जुलाई में ओरछा में प्रस्तावित कार्यसमिति बैठक दतिया विधानसभा उपचुनाव और विधानसभा के मानसून सत्र के कारण स्थगित कर दी गई थी। अब चुनावी व्यस्तताएं समाप्त होने के बाद संगठन इसे अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार विधानसभा के मानसून सत्र के बाद विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची जारी की जाएगी। इनमें मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, निगम-मंडल पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया जाएगा।

प्रदेश में नशा मुक्ति के जनआंदोलन को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन

भोपाल में Run For Life – नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' मैराथन में उमड़ा जनसैलाब....

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत भोपाल पुलिस कमिश्नरेट द्वारा आज रविवार को "Run For Life – नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। टी.टी. नगर स्टेडियम से प्रारंभ हुई इस जनजागरूकता मैराथन में विभिन्न वर्गों से लगभग 6 हजार नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्त, स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण का संकल्प लिया।मैराथन का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। आयोजन में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, नगर रक्षा समिति के सदस्यों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशामुक्त समाज का निर्माण जनसहभागिता से ही संभव है।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी. श्रीनिवास वर्मा, पुलिस आयुक्त भोपाल संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रश्मि अग्रवाल दुबे सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

प्रदेश के हर विधानसभा में खुलेगी कृषि यंत्र किराए की दुकान

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक खेती से जोडने् के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश की हर विधानसभा में कम से कम एक कृषि यंत्र किराये की दुकान (कस्टम हायरिंग सेंटर) खोलने की तैयारी है। इस पहल का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को कम लागत पर आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना महंगे यंत्र खरीदे खेती के सभी कार्य आसानी से कर सकें। सरकार के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल 5260 कृषि यंत्र किराया केंद्र संचालित हैं। अब हर साल 1060 नए केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कृषक कल्याण वर्ष के दौरान इस योजना के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। मध्य प्रदेश अब केवल खेती में ही नहीं, बल्कि कृषि यंत्रों के निर्माण में भी तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। इस दिशा में विदिशा जिला एक मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। जिले में करीब 150 कृषि उपकरण निर्माण इकाइयां संचालित हैं, जहां ग्रेडर, लेवलर, हाइड्रोलिक ट्रॉली, कल्टीवेटर, प्लाऊ, लोडर और डिलोडर जैसे आधुनिक कृषि उपकरण तैयार किए जा रहे हैं।

दो साल से अटकी छात्रवृत्ति, बैंक खातों की त्रुटि बनी बड़ी वजह

भोपाल। मध्यप्रदेश में कक्षा 1 से 12 तक के करीब 3.43 लाख स्कूली विद्यार्थियों को पिछले दो वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिल सकी है। इनमें 2.66 लाख सरकारी स्कूलों के अनुसूचित जाति (अजा) और अनुसूचित जनजाति (अजजा) वर्ग के विद्यार्थी तथा 77 हजार निजी स्कूलों में आरटीई के तहत पढने् वाले गरीब बच्चे शामिल हैं। छात्रवृत्ति भुगतान में सबसे बड़ी बाधा विद्यार्थियों के बैंक खातों में पाई गई तकनीकी त्रुटियां बनी हुई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार सत्र 2023-24 और 2024-25 की छात्रवृत्ति का भुगतान बड़ी संख्या में इसलिए अटका हुआ है क्योंकि विद्यार्थियों के बैंक खातों की जानकारी त्रुटिपूर्ण होने से भुगतान के ट्रांजेक्शन बार-बार विफल हो रहे हैं। इसके अलावा कई विद्यार्थियों के स्कूल छोड़ देने (ड्रॉपआउट) तथा कुछ स्कूलों के बंद होने या अन्य स्कूलों में विलय होने से भी भुगतान प्रभावित हुआ है। विभाग ने सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को विद्यार्थियों के बैंक खातों का सत्यापन और अद्यतन कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी। शिक्षकों का कहना है कि बैंक खाते अपडेट कराने के लिए अभिभावकों की उपस्थिति आवश्यक होती है। बड़ी संख्या में अभिभावक रोजग़ार के लिए दूसरे शहरों या जिलों में चले जाते हैं, जिससे समय पर बैंक खाते अपडेट नहीं हो पाते। जिन अभिभावकों से संपर्क हो जाता है, उनके साथ बैंक जाकर आवश्यक सुधार कराने का प्रयास किया जाता है।

अवैध वसूली के आरोप में कार्यपालन अभियंता बिसेन को आरोप-पत्र जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को प्रभावी रूप से लागू करते हुए एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। कंपनी प्रबंधन ने ठेकेदारों से कथित रूप से अवैध धनराशि की मांग एवं अन्य गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के चलते शरद बिसेन, कार्यपालन अभियंता (शहर), छिंदवाड़ा बिसेन के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए औपचारिक आरोप-पत्र जारी किया है। जारी दस्तावेजों के अनुसार उनके विरुद्ध ठेकेदारों से बिलों के भुगतान एवं अन्य कार्यों के एवज में अवैध राशि की मांग, पद का दुरुपयोग तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों के उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। साथ ही तत्काल प्रभाव से उन्हें स्थानांतरित कर कार्यपालन अभियंता (प्रवर्तन), छतरपुर पदस्थ किया गया है। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता एवं कदाचार के मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

ई-प्रवेश से करीब 4 लाख 89 हजार विद्यार्थियों को मिला घर बैठे प्रवेश

भोपाल

मप्र उच्च शिक्षा विभाग की विद्यार्थी-केंद्रित ई-प्रवेश प्रणाली ने उच्च शिक्षा में प्रवेश का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभाग द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णत: डिजिटल, पारदर्शी और सरल बनाने के लिए किए गए नवाचारों का सकारात्मक परिणाम इस वर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। 24 जुलाई 2026 तक प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में 4,89,169 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है, जो पिछले चार वर्षों में समान अवधि का सर्वाधिक आंकड़ा है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023-24 में समान अवधि तक 3,21,154, वर्ष 2024-25 में 3,25,095, वर्ष 2025-26 में 4,15,655 तथा वर्ष 2026-27 में 4,89,169 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया।

मोबाइल एप, 24×7 कॉल सेंटर और सीएलसी की त्वरित सुविधा से बना रिकॉर्ड

इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 73,514 तथा वर्ष 2023-24 की तुलना में 1,68,015 अधिक विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा से जुड़कर नया रिकॉर्ड बनाया है। वृद्धि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ते विश्वास, डिजिटल सुविधाओं के विस्तार तथा विद्यार्थी-अनुकूल नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रवेश में इस उल्लेखनीय वृद्धि का सबसे बड़ा कारण विभाग द्वारा विकसित ई-प्रवेश पोर्टल एवं मोबाइल एप है। अब विद्यार्थी घर बैठे ही पंजीयन, दस्तावेज अपलोड, ऑनलाइन सत्यापन, महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम का चयन, शुल्क भुगतान तथा प्रवेश की संपूर्ण प्रक्रिया सहजता से पूरी कर रहे हैं। इस डिजिटल व्यवस्था से विद्यार्थियों और अभिभावकों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली है तथा पूरी प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और सुविधाजनक बनी है। प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने के लिए विभाग ने प्रदेशभर के महाविद्यालयों में हेल्प सेंटर, विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु 24×7 कॉल सेंटर, जिला एवं संभाग स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग तथा प्रभावी तकनीकी सहायता की व्यवस्था की है।

एनडीआरएफ ने किया आपदा बचाव का डेमो

भोपाल। भोपाल के शीतलदास की बगिया में रविवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने आपदा प्रबंधन एवं बचाव का लाइव डेमो किया। कार्यक्रम में लोगों को बाढ़ जैसी आपदा के दौरान सुरक्षित रहने, लाइफ जैकेट का सही उपयोग, घरेलू सामान से अस्थायी फ्लोटेशन डिवाइस तैयार करने और आपातकालीन स्थिति में बचाव के व्यावहारिक तरीके बताए गए। एनडीआरएफ की टीम ने लाइव डेमो के माध्यम से बताया कि आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्कता और सही तकनीक अपनाकर नुकसान को कम किया जा सकता है।

कपड़ों और फर्श के तहखानों में छिपा रखा था गांजा, 300 जवानों ने पुराने भोपाल में आधी रात मारे छापे

भोपाल।

राजधानी में नशे के काले कारोबार की कमर तोड़ने के लिए भोपाल पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा और सख्त कदम उठाया है। शहर को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के तहत चलाए जा रहे मिशन ड्रग फ्री भोपाल और नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत शनिवार देर रात पुराने भोपाल के अति-संवेदनशील इलाके इतवारा में पुलिस ने एक साथ कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की है। डीसीपी आयुष गुप्ता के नेतृत्व में की गई इस अचानक कार्रवाई में 300 से अधिक पुलिस जवान और बड़ी संख्या में महिला बल शामिल रहा। रात के अंधेरे में घनी आबादी और संकरी गलियों वाले इतवारा क्षेत्र में जब पुलिस की कई टीमों ने एक साथ दस्तक दी, तो तस्करों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया। पुलिस की स्पेशल टीमों ने इलाके के लगभग 60 से 70 संदिग्ध मकानों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान तस्करों की शातिराना तरकीबें देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। तस्करों ने गांजे की खेप को छिपाने के लिए कमरों के फर्श के नीचे गुप्त तहखाने बना रखे थे, वहीं कई जगह कपड़ों की तहों के बीच गांजे को छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने इन सभी गुप्त ठिकानों से भारी मात्रा में अवैध गांजा जब्त किया है। प्राथमिक जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इतवारा क्षेत्र भोपाल में मादक पदार्थों की सप्लाई का एक मुख्य हब बना हुआ था।

किचन वेस्ट और गोबर से बनेगी बायोगैस, हॉस्टल की रसोइयों में होगा उपयोग

मध्यप्रदेश में वेस्ट टू एनर्जी की दिशा में कृषि विवि की पहल

भोपाल

घरों से निकलने वाला कचरा अब सिर्फ डस्टबिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यही कचरा स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा स्रोत बनेगा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ने जैविक कचरे के वैज्ञानिक उपयोग की दिशा में पहल करते हुए वेस्ट टू एनर्जी मॉडल विकसित करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के तहत किचन वेस्ट और गोबर से बायोगैस तैयार की जाएगी, जिसका उपयोग रसोई गैस के रूप में किया जाएगा। विश्वविद्यालय यह परियोजना सावित्री रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से शुरू कर रहा है। इसकी शुरुआत इंदौर स्थित कृषि महाविद्यालय परिसर में प्लांट स्थापना के साथ हो चुकी है। यहां उत्पादित गैस को सीधे छात्रावास की रसोई तक पहुंचाया जाएगा। इंदौर में सफलता मिलने के बाद ग्वालियर स्थित कृषि विश्वविद्यालय परिसर में भी इसी प्रकार का प्लांट स्थापित किया जाएगा।

गीला कचरा बनेगा ऊर्जा का स्रोत

इस प्लांट में घरों से निकलने वाले जैविक कचरे का उपयोग किया जाएगा। भोजन के अवशेष, सब्जियों और फलों के छिलके सहित अन्य गीले कचरे को वैज्ञानिक प्रक्रिया से बायोगैस में बदला जाएगा। गैस उत्पादन में गोबर का भी उपयोग होगा, जिससे ऊर्जा के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद भी तैयार होगी। इससे कचरे के निस्तारण की समस्या कम होगी और जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय का मानना है कि यह मॉडल केवल परिसर तक सीमित नहीं रहेगा। यदि परियोजना सफल रहती है तो बड़े आवासीय परिसरों, होटल, छात्रावास, कैंटीन और अन्य संस्थानों में भी किचन वेस्ट से गैस उत्पादन की व्यवस्था विकसित की जा सकेगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव जानेंगे पुराने टास्क और उनके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत

उपचुनाव के बाद लगेगी कलेक्टर्स-एसपी की क्लास

भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों की एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस लेने जा रहे हैं। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से इसके आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह पूरी बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की जाएगी जिसमें सरकार के एजेंडे और कानून व्यवस्था को लेकर कड़े फैसले हो सकते हैं। जानकारी के अनुसार, यह कॉन्फ्रेंस दतिया उपचुनाव के परिणाम आने के बाद होगी। मंत्रालय से मिल रही जानकारी के अनुसार इस एक्शन कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अधिकारियों को पूर्व में दिए गए टास्क और उनके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानेंगे। बैठक में कई बिंदुओं पर फोकस रहेगा। प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के उन्नयन और भूमि पूजन के बाद उनकी वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी। केंद्रीय और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन जिलों में कितना प्रभावी ढंग से हो रहा है, इसका पूरा ब्यौरा देखा जाएगा। लॉ एंड ऑर्डर- प्रदेश में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सीएम खुद कड़ा रुख अपना सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश सरकार अब विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने और आगामी वर्षों की प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। विभागवार समीक्षा और मंत्रियों के साथ वन-टू-वन बैठकों का दौर पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल्द ही मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ विशेष मंथन बैठक करेंगे। इस बैठक में सरकार के विकास एजेंडे, विभागीय लक्ष्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा होगी। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार यह बैठक केवल औपचारिक समीक्षा तक सीमित नहीं रहेगी।

मुख्य सचिव कार्यालय ने मांगा पूरा हिसाब-किताब

कान्फ्रेंस को लेकर मुख्य सचिव कार्यालय पूरी तरह से एक्टिव मोड में है। बैठक की तैयारियों को लेकर बड़े कदम उठाए गए हैं। जिसमें जिला स्तर पर सभी विभागों का खाका और कलेक्टर्स से उनके कामकाज का पूरा हिसाब मांगा गया है। मंत्रालय स्तर पर सभी जिला कलेक्टर्स की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार की जा रही है। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार बैठक के दौरान हर संभाग का एक विशेष डिवीजन प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री की मुख्य बैठक से पहले मुख्य सचिव कार्यालय में खुद अधिकारियों के कामकाज की प्रारंभिक समीक्षा की जाएगी जिससे कमियों को पहले ही चिह्नित किया जा सके।

2016 से काल्पनिक पदोन्नति का लाभ देने की मांग, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारी को दी गई काल्पनिक पदोन्नति की तर्ज पर प्रदेश के सभी विभागों और अर्द्धशासकीय संस्थानों के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को वर्ष 2016 से काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दिया जाए। साथ ही पुनरीक्षित वेतन निर्धारण के आधार पर पेंशन का पुनर्निर्धारण कर आर्थिक लाभ भी प्रदान किया जाए।

मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने हाल ही में आदेश जारी कर विभाग के सहायक संचालक के.एस. पेंड्रो को सेवानिवृत्ति के बाद उप संचालक पद पर काल्पनिक पदोन्नति प्रदान की है। इसके साथ ही पुनरीक्षित वेतन निर्धारण कर उन्हें पेंशन संबंधी आर्थिक लाभ भी दिया गया है। अशोक पांडे ने कहा कि इसी व्यवस्था का अनुसरण करते हुए प्रदेश के उन लाखों कार्यरत और सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को भी काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दिया जाना चाहिए, जो वर्षों तक पदोन्नति नहीं मिलने से प्रभावित हुए।